E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 74 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 11 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

केंद्र सरकार ने हिज्ब-उत तहरीर पर लगाया प्रतिबंध पेज 2
मणिपुर के म्यांमार के सीमावर्ती जिलों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद पेज 3
राइजिंग राजस्थान से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई ... पेज 5
श्रीलंका को हराकर भारत ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत पेज 7

देश का अनमोल रतन टाटा पंचतत्व में विलीन

• देश में शोक की लहर, राजनीतिक हस्तियों ने जताया दुख, • वरली श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

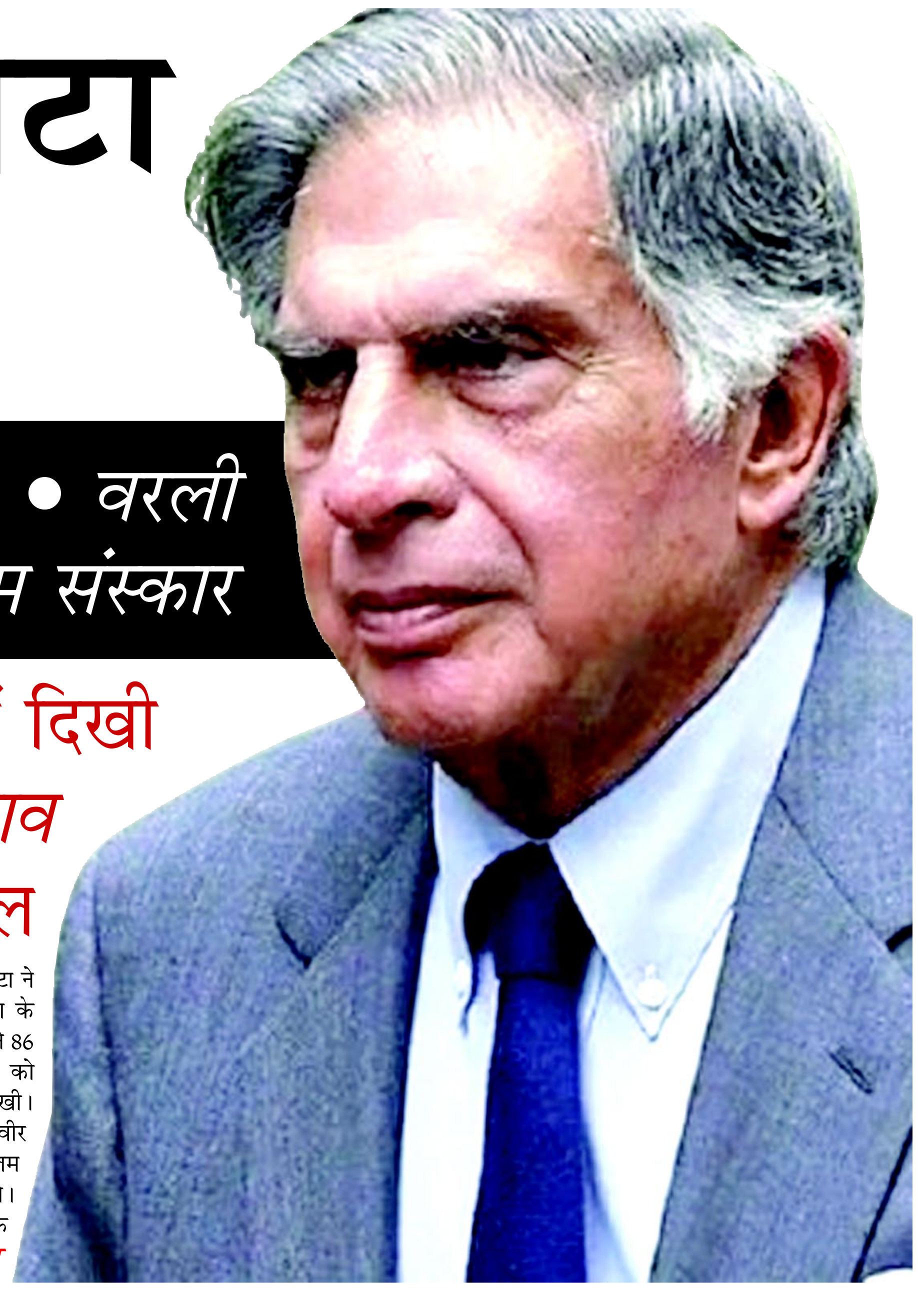

मुंबई (हि.स.)। देश के अनमोल रतन, शीर्ष उद्योगपति, पद्मविभूषण रतन टाटा का गुरुवार शाम का राजकीय सम्मान के साथ वरली के श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर उपस्थित थे। इसके साथ राजनीतिक, फिल्म जगत, खेल जगत, उद्योग जगत के अतिविशिष्ठ लोगों नम आंखों से अपने प्रिय उद्योगपति के पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई दी। रतन टाटा का कल देर रात ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया था। वह 86 वर्ष के थे। रतन टाटा के पार्थिव शरीर को ब्रीच कैंडी अस्पताल से कोलाबा स्थित उनके आवास ले जाया गया। वहां उनके परिवार, रिश्तेदारों और विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों ने उनके अंतिम दर्शन किए। इसके बाद आज सुबह 10 बजे रतन टाटा का पार्थिव शरीर कोलाबा स्थित उनके आवास से एनसीपीए लाया गया। इस मौके पर मुंबई

पुलिस ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। रतन टाटा का पार्थिव शरीर आज सुबह 10 बजे मुंबई के एनसीपीए में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, मनसे अध्यक्ष राज -शेष पृष्ठ दो पर

श्रद्धांजलि सभा में दिखी सर्व धर्म समभाव की मिसाल

नई दिल्ली। भारत के मशहूर उद्योगपति रतन नवल टाटा ने बीती रात दुनिया को अलविदा कह दिया। रतन टाटा के निधन के बाद देश में शोक लहर है। मशहूर उद्योगपति ने 86 साल के उम्र में अंतिम सांस ली। ऐसे में रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी दिखी। वहीं उनके श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान एक अनोखी तस्वीर देखने को मिली, जिसमें एक पंक्ति से हिंदू पंडित, मुस्लिम इमाम, सिख गुरू और ईसाई पादरी भी मौजूद दिखे। भारत में सभी धर्मों के गुरु या जानकारों का किसी एक इंसान को श्रद्धांजलि अर्पित -शेष पृष्ठ दो पर

रतन टाटा के जाने से बहुत बड़ा शून्य पैदा हुआ, जिसे भरा नहीं जा सकता : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने देश के अग्रणी उद्यमी रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर एक पोस्ट के साथ कुछ पुरानी तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा कि रतन टाटा की विरासत करुणा, स्टेटमैनशिप और भारत की विकास गाथा में अडिग विश्वास की विरासत है। उनका जीवन उद्यम निर्माण और समाज को वापस देने से परिभाषित है। उनके निधन से असम के लोगों ने अपने सबसे बड़े शुभचिंतकों में से एक को खो दिया है। उनके निधन से एक बहुत बड़ा शून्य पैदा हो गया है जिसे कभी भरा नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित रतन टाटा ने असम के लोगों के दिलों और दिमाग में एक विशेष स्थान बनाया। उन्होंने असम के कल्याण के लिए आस्था की एक बड़ी छलांग लगाई। -शेष पृष्ठ दो पर

रतन टाटा का नाम भारत रत्न के लिए प्रस्तावित

मुंबई (हि.स.)। उद्योगपति पद्म विभूषण रतन टाटा को उनकी उपलब्धियों के लिए भारत रत्न से सम्मानित करने का प्रस्ताव गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में सर्व सहमति से पारित किया गया है। इस प्रस्ताव में केंद्र सरकार से रतन टाटा को भारत रत्न दिए जाने की सिफारिश की गई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज हुई कैबिनेट की बैठक में पद्म विभूषण रतन टाटा के निधन पर शोक प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने रतन टाटा को भारत रत्न दिए जाने का अनुरोध करने का प्रस्ताव कैबिनेट में पेश किया। मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव को पेश करते हुए कहा कि रतन टाटा का योगदान देश के विकास में अभूतपूर्व था। वह महाराष्ट्र के बेटे थे। -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री मोदी के लाओस पहुंचने पर बिहू नृत्य से हुआ स्वागत

विएंतियान (हि.स.)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आज दो दिवसीय यात्रा पर लाओस पहुंच गए। लाओस में प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। लोगों ने गायत्री मंत्र का पाठ किया। उनके स्वागत सम्मान में बिहू नृत्य भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स हैंडल पर लिखा कि लाओ पीडीआर में स्वागत यादगार रहा। भारतीय समुदाय स्पष्ट रूप से अपनी जड़ों से बहुत जुड़ा हुआ है। लोगों को बिहू नृत्य और हिन्दी बात करते देख खुशी हुई। मैं लाओ पीडीआर पहुंच गया हूं। विभिन्न विश्व नेताओं के साथ विचार-विमर्श की प्रतीक्षा कर रहा हूं। प्रधानमंत्री मोदी एक्स हैंडल पर अपलोड वीडियो में बच्चों को ऑटोग्राफ देते भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बच्चों के सिर पर हाथ फेरकर उन्हें दुलार किया। उल्लेखनीय है कि लाओस जनवादी लोकतांत्रिक -शेष पृष्ठ दो पर

असम में अब तक 58 लाख से अधिक लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि राज्य में अब तक 58.11 लाख से अधिक लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ली है। हिमंत ने बताया कि 88 विधानसभा क्षेत्रों के 40,000 से अधिक लोग भाजपा के सदस्य बने हैं, जिनमें से टेओक और टिटाबोर नए विधानसभा क्षेत्र हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि पार्टी में 58.11 लाख नए सदस्यों के जुड़ने के साथ ही -शेष पृष्ठ दो पर

हम शांतिप्रिय देश हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को आसियान सम्मेलन में कहा कि हम शांतिप्रिय देश हैं और एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं। हम अपने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब विश्व संघर्ष और तनाव का सामना कर रहा है, भारत-आसियान मित्रता, समन्वय, संवाद और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने लाओस के वियनतियाने में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति ने नई दिल्ली और आसियान देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को ऊर्जा और गति दी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संघर्षों के मद्देनजर आज भारत-आसियान सहयोग की बहुत आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें आसियान परिवार के साथ 11वीं बार इस बैठक में शामिल होने पर गर्व महसूस हो रहा है। दस साल पहले उन्होंने भारत की *एक्ट ईस्ट* नीति की घोषणा की थी। इन 10 वर्षों में इस नीति ने भारत और आसियान देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊर्जा, दिशा और गति दी है। उन्होंने कहा कि भारत-आसियान पड़ोसी हैं, ग्लोबल साउथ में साझेदार हैं और दुनिया में तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि भारत-आसियान शांतिपूर्ण राष्ट्र हैं, एक-दूसरे की राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं और युवाओं के -शेष पृष्ठ दो पर

आत्ममंथन की बजाय हार का ठीकरा ईसी पर फोड़ रही कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि नाच न जाने आंगन टेढ़े वाली सोच से कांग्रेस घिर चुकी है। कांग्रेस आत्ममंथन करने के बजाय अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रही है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि हरियाणा चुनाव में लोगों ने स्पष्ट रूप से कांग्रेस को नकार दिया है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

दक्षिण कोरियाई लेखिका हान कांग को साहित्य में मिला इस वर्ष का नोबेल

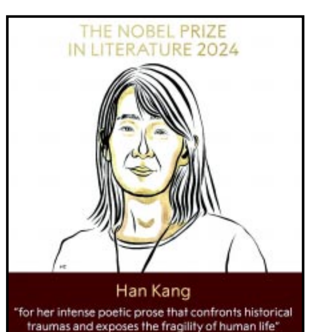

नई दिल्ली। साहित्य के क्षेत्र में 2024 के नोबेल पुरस्कार का एलान कर दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के मुताबिक, इस साल यह सम्मान दक्षिण कोरियाई लेखिका हान कांग को दिया गया। उन्हें उनके गहन काव्यात्मक गद्य के लिए इस सम्मान से नवाजा गया। यह गद्य ऐतिहासिक आघातों और मानव जीवन की नाजुकता को उजागर करता है। बता दें कि बीते दिन रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार का एलान किया गया था। इस साल यह सम्मान तीन लोगों को दिया गया। इस अवॉर्ड का आधा हिस्सा डेविड बेकर को कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन के लिए दिया गया। इसके अलावा इसे संयुक्त रूप -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

केंद्र सरकार ने हिज्ब-उत तहरीर पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1953 में यरुशलम में गठित वैश्विक इस्लामी कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है। इसके साथ ही सरकार ने कहा है कि- इस इस्लामी कट्टरपंथी समूह का उद्देश्य इस्लामिक राज्य की स्थापना करना है। एक अधिसूचना में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी भोले-भाले युवाओं को आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बनाने और प्रेरित करने के साथ-साथ आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में शामिल है। एचयूटी कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, सुरक्षित ऐप का उपयोग करके और भोले-भाले युवाओं को आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने

के लिए प्रोत्साहित करने के लिए *दावाह* बैठकें आयोजित करके आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी एक ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य देश के नागरिकों को शामिल करके जिहाद और आतंकवादी गतिविधियों के माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को उखाड़ फेंककर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक राज्य और खिलाफत स्थापित करना है, जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। अधिसूचना में कहा गया है कि, चूंकि, केंद्र सरकार का मानना है कि हिज्ब-उत-तहरीर आतंकवाद में शामिल है और उसने भारत में कई आतंकवादी कृत्यों में भाग लिया है। अधिसूचना में इस समूह को गैरकानूनी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित किया गया है।

भारत की विकास यात्रा में रतन टाटा का योगदान चिरस्मरणीय रहेगा : डॉ. भागवत

नागपुर (हि.स.)। टाटा समूह के मानद चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन से देश में शोक की लहर है। रतन टाटा के निधन पर देश की दिग्गज हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की विकास यात्रा में उनका योगदान चिरस्मरणीय रहेगा। सरसंघचालक ने कहा कि उनके निधन से भारत ने एक अमूल्य रत्न को खोया है। उद्योग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई व प्रभावी पहल के साथ ही कई श्रेष्ठ मानकों को उन्होंने स्थापित किया। समाज के हितों के अनुकूल सभी प्रकार के कार्यों में उनका सतत सहयोग तथा सहभागिता बनी रही। राष्ट्र की एकात्मता व सुरक्षा की बात हो या विकास के कोई पहलू हो अथवा कार्यरत कर्मचारियों के हित का मामला हो रतन जी अपने विशिष्ट सोच व कार्य से प्रेरणादायी रहे। अनेक ऊंचाइयों को छूने के बाद भी उनकी सहजता एवं विनम्रता की शैली अनुकरणीय रहेगी। हम उनकी पावन स्मृतियों को विनम्र अभिवादन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उल्लेखनीय है कि 86 वर्षीय उद्योगपति का बुधवार रात 11 बजे दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया।

कोलकाता में सप्तमी पर भी पुलिस ने रोकी अभया परिक्रमा, डॉक्टरों की सेहत बिगड़ी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में सप्तमी के दिन जूनियर डॉक्टरों की *अभया परिक्रमा* को एक बार फिर पुलिस ने रोकने की कोशिश की, लेकिन आंदोलनकारी डॉक्टरों ने पुलिस की इस कोशिश को नाकाम करते हुए गार्डरैल हटाकर सेंट्रल एवेन्यू की ओर अपना मार्च जारी रखा। इससे पहले षष्ठी के दिन भी पुलिस ने उनकी परिक्रमा रोकने की कोशिश की थी। आरजी कर मेडिकल कालेज और अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ रेप और हत्या के मामले को लेकर डॉक्टरों का आंदोलन और गहराता जा रहा है। जूनियर डॉक्टरों का कहना है कि वे बिना अनुमति के मेट्रो चैनल पर अनशन कर रहे हैं और पुलिस ने इस संबंध में एक चिट्ठी भी थमा दी है। पुलिस ने इस चिट्ठी में कहा कि आंदोलनकारियों की शारीरिक स्थिति बिगड़ती जा रही है और उन्हें तत्काल इलाज की जरूरत है। लेकिन डाक्टरों का कहना है कि वे मांगें पूरी नही होने तक डटे रहेंगे। आरजी कर मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर अनिकेत महतो की हालत नाजुक बताई जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी यूरिन रिपोर्ट में कीटोन बॉडी पाई गई है और कुछ एसिडोसिस भी विकसित हो चुका है। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि उन्हें तत्काल आईसीयू में भर्ती किया जाए। डॉ. सैकत नियोगी ने बताया कि अनिकेत की हालत अन्य लोगों से ज्यादा चिंताजनक है। हमने रिपोर्ट देखी और उसकी हालत तेजी से बिगड़ रही है। इस स्थिति को सामान्य इलाज से संभालना मुश्किल है। हमने उसे तुरंत आईसीयू में शिफ्ट करने की सलाह दी है। हेयर स्ट्रीट थाने की ओर से डॉक्टरों को भेजी गई चिट्ठी में कहा गया है कि वे बिना अनुमति के धर्मतला में मेट्रो चैनल के सामने अनशन कर रहे हैं। चिट्ठी में डॉक्टरों से अनशन स्थल खाली करने और स्वास्थ्य विभाग की मदद लेने का अनुरोध किया गया है। पुलिस की चिट्ठी पर अनशनकारी डॉक्टरों ने कहा कि हमारे सामने एक चिट्ठी देकर हमें जाने के लिए कहा जा रहा है, लेकिन यह हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है।

जींद पराली प्रबंधन जागरूकता वाहन को किया रवाना

जींद (हिंस)। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने गुरुवार को स्थानीय लघु सचिवालय परिसर से पराली प्रबंधन के जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। जागरूकता वाहन के माध्यम से कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा जिला के प्रत्येक गांवों में किसानों को पराली नहीं जलाने के बारे में जागरूक किया जाएगा। यह जागरूकता वैन 10 अक्तूबर से आगामी 30 नवंबर तक जिला के प्रत्येक गांव में जाकर गीतों एवं नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से किसानों को जागरूक करेगी। सरकार के निर्देशानुसार कृषि विभाग पराली प्रबंधन के लिए किसानों को प्रोत्साहन राशि भी दे रहा है।

घर में दो बल्ब, एक पंखा और एक टीवी बिल आया एक लाख, युवक ने की आत्महत्या

उन्नाव। यूपी के उन्नाव में एक युवक ने बिजली का बिल देखकर आत्महत्या कर ली। अचलगंज थाना क्षेत्र के कुशलपुर वसैना गांव में रहने वाले शिवम राजपूत ने बिजली का बढ़ा हुआ बिल देखकर फांसी लगा ली है। युवक के परिवार वालों ने इस घटना के लिए बिजली विभाग पर आरोप लगाया है। परिवार वालों बिजली विभाग पर बिजली का बिल बढ़ाकर भेजने पर शिवम के फांसी लगाकर जान देने का आरोप लगाया है। शिवम राजपूत मजदूरी कर अपना परिवार का पालन पोषण करता था। मृतक शिवम के पिता महादेव का आरोप है कि उनके घर का बिजली का बिल पिछले महीने बिजली विभाग की लापरवाही के चलते एक लाख से ज्यादा का भेज दिया गया था। वहीं इस बार बिजली का बिल 8 हजार रुपए भेज दे दिया गया है। ऐसे में इतना बिल आने पर बेटा मानसिक परेशान हो गया था। शिवम के पिता ने बताया, मैं खेत में काम करने गया था तभी उनके बेटे ने भूसा के कमरे में जाकर कुंडे से फांसी लगाकर जान दे दी। बताया जा रहा है मृतक शिवम ने 2022 में 600 रुपए जमा करके बिजली का कनेक्शन लिया था। मृतक के घर में दो बल्ब, एक पंखा, और एक टीवी के अलावा अन्य कोई बिजली का उपकरण नहीं है। बिजली विभाग की तरफ से 1 सितंबर 2024 को 1 लाख 9 हजार 221 रुपए का बिजली का बिल भेज दिया गया था। शिकायत के बाद बिल 16, 377 रुपए कर दिया गया गया जिसको शिवम ने 14 सितंबर को जमा कर दिया था। हालांकि बिजली विभाग की तरफ से 7 अक्तूबर को फिर से बिल बढ़ाकर 8 ,223 रुपए भेज दिया गया जिससे मानसिक परेशान होकर शिवम ने कमरे में जाकर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिजली विभाग के बढ़े बिल की जांच में पता चला कि 8,223 का बिल सिर्फ 150 रुपए ही निकला है। बिजली विभाग के अधिकारी ऑनलाइन बिल में तकनीकी कमी की वजह से ज्यादा बिल आने की बात कह रहे हैं।

मुरादाबाद जा रही मेमो एक्सप्रेस को पलटने कोशिश

बिजनौर (हि.स.)। ट्रेन को पलटने के प्रयास की घटना देश भर में देखी जा रही है। जनपद बिजनौर में ऐसी एक साजिशा फिर सामने आई है। आज सवेरे मेमो एक्सप्रेस ट्रेन को पलटाने की साजिश के तहत् नजीबाबाद क्षेत्र के गढ़मालपुर रेलवे क्रॉसिंग पर असामाजिक तत्वों द्वारा पत्थर रख दिए गए। गनीमत रही कि ट्रेन पत्थरों को तोड़ते हुए निकल गई। सहारनपुर से मुरादाबाद जा रही मेमो एक्सप्रेस जनपद के नजीबाबाद की गढ़मालपुर रेलवे क्रॉसिंग पर हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गई। अप और डाउन लाइन की रेल पटरी पर लगभग 20 मीटर तक रखे छोटे-छोटे पत्थर तेज आवाज के साथ टूटे तो चालक की सांसें थम गईं।

मुंबई में उद्योग भवन और उद्योग रत्न पुरस्कार को रतन टाटा का नाम दिया जाएगा

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र सरकार ने गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में मुंबई में बन रहे उद्योग भवन और राज्य सरकार की ओर हर साल दिए जाने वाले उद्योग रत्न पुरस्कार को उद्योगपति रतन टाटा का नाम देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही आज मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कुल 80 निर्णय लिए गए हैं। उद्योग मंत्री उदय सामंत आज हुई कैबिनेट की बैठक में मुंबई में बन रहे उद्योग भवन को उद्योगपति रतन टाटा का नाम दिए जाने का प्रस्ताव लाया गया।

कौन होगा पद्म विभूषण रतन टाटा का उत्तराधिकारी, जो संभालेगा 3800 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली। दिग्गज उद्योगपति और टाटा संस के मानद प्रमुख पद्म विभूषण रतन टाटा का बुधवार रात को स्वर्गवास हो गया। वह 86 वर्ष के थे। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। रतन टाटा की अगर कोई संतान होती तो शायद यह सवाल कभी खड़ा नहीं होता कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा। वहीं रतन टाटा के जाने के बाद टाटा के समूह की जिम्मेदारी किसके कंधे होगी उसमें कई नाम शामिल है। नोएल टाटा रतन टाटा के सौतेले भाई सबसे आगे है। सिर्फ नोएल टाटा पर ही नही टाटा की नई पीढ़ी के कंधों पर टाटा समूह की जिम्मेदारी होगी। टाटा की नई पीढ़ी में लिआ, माया और नेविल शामिल हैं – जो रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल नवल टाटा के बच्चे हैं। वे अन्य पेशेवरों की तरह कंपनी के माध्यम से आगे बढ़ते हुए, टाटा समूह के भीतर लगातार अपनी जगह बना रहे हैं। सबसे बड़ी लिआ टाटा ने स्पेन के मैड्रिड में आईई बिजनेस स्कूल से मार्केटिंग में मास्टर डिग्री हासिल की है। वह 2006 में ताज होटल रिसॉर्ट्स एंड पैलेसेस में सहायक बिक्री प्रबंधक के रूप में टाटा समूह में शामिल हुईं और अब विभिन्न भूमिकाओं के माध्यम से प्रगति करते हुए द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) में उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करती हैं। छोटी बेटी माया टाटा ने समूह की प्रमुख वित्तीय सेवा कंपनी में एक विश्लेषक के रूप में टाटा कैपिटल में अपना करियर शुरू किया है। वहीं, उनके भाई नेविल टाटा ने ट्रेंट में अपनी पेशेवर यात्रा शुरू की, जिस खुदरा श्रृंखला के निर्माण में उनके पिता ने मदद की थी। नेविल की शादी मानसी किर्लोस्कर से हुई है, जो टोयोटा किर्लोस्कर समूह की उत्तराधिकारी हैं। 1991 में, जब उनके चाचा जेआरडी टाटा ने पद छोड़ दिया, तो उन्होंने समूह का नेतृत्व संभाला। यह समय भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण था, क्योंकि देश ने अपने अर्थव्यवस्था को विश्व के लिए खोलने और तेज तरक्की के युग की शुरुआत करने के लिए क्रांतिकारी सुधार शुरू किए थे। अपने शुरुआती कदमों में से एक में, रतन टाटा ने समूह की कुछ कंपनियों के प्रमुखों की शक्ति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। उन्होंने सेवानिवृत्ति आयु लागू की, युवा लोगों को वरिष्ठ पदों पर पदोन्नत किया और कंपनियों पर नियंत्रण बढ़ाया।

पृष्ठ एक का शेष

देश का अनमोल...

ठाकरे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, वरिष्ठ नेता शरद पवार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मंत्री उदय सामंत, विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार, उद्योगपति मुकेश अंबानी समेत बॉलीवुड और इंडस्ट्री के दिग्गजों ने रतन टाटा के पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन किया। शाम 4 बजे के बाद रतन टाटा के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए वर्ली श्मशान घाट ले जाया गया। श्मशान घाट में पुलिस ने रतन टाटा के पार्थीव को सलामी दी और इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। उधर रतन टाटा के निधन पर प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री समेत तमाम राजनीतिक हस्तियों ने शोक जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि रतन टाटा एक दूरदर्शी कारोबारी नेता थे। एक दयालु आत्मा और असाधारण इंसान थे। पीएम मोदी ने आगे लिखा कि रतन टाटा ने अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के कारण उन्होंने कई लोगों के बीच अपनी जगह बनाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिग्गज उद्योगपति और सच्चे राष्ट्रवादी, रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुख हुआ। उन्होंने निःस्वार्थ भाव से अपना जीवन हमारे राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित कर दिया। जब भी मैं उनसे मिला, भारत और उसके लोगों की बेहतरी के लिए उनके उत्साह और प्रतिबद्धता ने मुझे चकित किया। हमारे देश और उसके लोगों के कल्याण के लिए उनकी प्रतिबद्धता ने लाखों सपनों को जन्म दिया। समय रतन टाटा जी को उनके प्यारे देश से दूर नहीं कर सकता। वह हमारे दिलों में जीवित रहेंगे। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रतन टाटा के निधन पर शोक जताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने व्यापार और परोपकार दोनों पर अमिट छाप छोड़ी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पोस्ट किया कि उद्योग व समाज में रतन टाटा उल्लेखनीय योगदान ने हमारे देश और दुनिया पर अमिट छाप छोड़ी है। वह न केवल एक व्यावसायिक आइकन थे, बल्कि विनम्रता, अखंडता और करुणा के प्रतीक थे। इस भारी क्षति की घड़ी में, हम उनके परिवार, दोस्तों और उन सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं, जिनके जीवन को उन्होंने छुआ। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट किया कि देश के गौरवशाली सपूत रतन टाटा जी के निधन की खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं। तीन दशकों से अधिक समय तक मुझे उनके साथ एक गहरा व्यक्तिगत और करीबी पारिवारिक संबंध रखने का सौभाग्य मिला, जहां मैंने उनकी विनम्रता, सादगी और सभी के प्रति वास्तविक सम्मान देखा, चाहे उनकी स्थिति कुछ भी हो। उनके जीवन में ईमानदारी और करुणा के मूल्य समाहित थे, जो कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहे। भारत के अग्रणी उद्योगपति के रूप में, अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में उनके उल्लेखनीय योगदान ने अनगिनत लोगों के जीवन को बदल दिया। अपने व्यावसायिक कौशल से परे, वह एक समर्पित देशभक्त और सामाजिक रूप से जागरूक नेता थे, जिन्होंने समाज को गहराई से प्रभावित किया। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा, भारत के प्रख्यात उद्योगपति कि पद्म विभूषण रतन टाटा जी का निधन अत्यंत दुःखद है। वह भारतीय उद्योग जगत के महानायक थे। उनका जाना उद्योग जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट में लिखा कि टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा भारतीय उद्योगों के अग्रणी नेता और जनहितैषी परोपकारी व्यक्ति थे। उनका निधन भारतीय व्यापार जगत और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति होगी। आंध्रप्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने रतन टाटा के निधन पर लिखा कि कुछ ही लोगों ने अपनी दूरदर्शिता और निष्ठा से इस दुनिया पर रतन टाटा जैसी स्थायी छाप छोड़ी है। आज, हमने न केवल एक व्यापारिक दिग्गज को खो दिया है, बल्कि एक सच्चे मानवतावादी को भी खो दिया है, जिनकी विरासत औद्योगिक परिदृश्य से परे हर उस दिल में बसती है, जिसे उन्होंने छुआ। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने ट्वीट किया कि रतन टाटा जी का दूरदर्शी नेतृत्व, नैतिकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और भारत के विकास में उनका अपार योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। उनकी विरासत हमेशा अमर रहेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने लिखा कि रतन टाटा जी ने नैतिक नेतृत्व का उदाहरण पेश किया, हमेशा देश और लोगों के कल्याण को सबसे ऊपर रखा। उनकी दयालुता, विनम्रता और बदलाव लाने के जुनून को हमेशा याद रखा जाएगा। एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार ने ट्वीट किया कि दुनिया भर में अपनी शानदार उपलब्धियों से देश का नाम ऊंचा करने वाले, टाटा समूह के चेयरमैन, उद्योगपति रतन टाटा ने दुनिया को अलविदा कह दिया। देश पर आने वाले हर प्राकृतिक या मानवीय संकट से उबरने के लिए हमेशा मदद का हाथ बढ़ाने वाले रतन टाटा के स्वभाव को हमेशा याद किया जाएगा। सामाजिक चेतना के माध्यम से अपनी सफलता का मार्ग प्रशस्त करने वाले व्यक्तित्व रतन टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि।

श्रद्धांजलि सभा में ...

करने के लिए एकत्रित होना आम तौर पर दुर्लभ है। लेकिन विश्व विख्यात उद्योगपति रतन टाटा के जाने से लोगों में निराशा उनके परोपकारी प्रभाव और प्रेम का प्रतीक है। और हो भी क्यों ना रतन टाटा ने के दरियादिली की कहानी तो पूरी दुनियाभर में प्रचलित है। देश के सभी वर्गों के मसीहा कहे जाने वाले रतन टाटा का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जा रहा है। रतन टाटा के अंतिम सफर में लोगों की भीड़ से साफ तौर पर रतन टाटा से लोगों का जुड़ाव को प्रदर्शित कर रही है। मशहूर उद्योगपति रतन नवल टाटा अपने बचपन से ही शांत और शालीन स्वभाव के थे। उन्हें अपनी दादी से और उनकी दादी को उनसे बहुत लगाव था और रतन टाटा अपनी दादी की कभी भी कोई बात नहीं टालते थे। उनका ज्यादातर वक्त अपनी दादी के साथ ही गुजरा, क्योंकि रतन टाटा जब छोटे थे, तभी उनके माता-पिता में तलाक हो गया था। हालांकि इसके बाद वे अपने पिता के साथ रहने लगे थे। इसे आगे बढ़कर उन्होंने देश और दुनिया में जो मुकाम हासिल किया, ऐसा शायद ही कोई कर सकेगा।

रतन टाटा के जाने ...

वह राज्य में स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के लिए बहुत भावुक थे और उनके विजन के साथ हमने असम कैंसर केयर फाउंडेशन को जन्म दिया। उन्होंने जगीरोड में टाटा की सेमीकंडक्टर सुविधा स्थापित करने और हमारे युवाओं के लिए कई रोजगार के अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. शर्मा ने कहा कि मेरे लिए यह एक व्यक्तिगत क्षति है। उनके साथ मेरी हर बातचीत ने मुझे समझदार बनाया। उनकी सादगी और विनम्रता ऐसी चीज है जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं टाटा परिवार के सदस्यों और पूरे देश के साथ हैं।

रतन टाटा का ...

रतन टाटा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी और भारत की पहचान बनाई। आजादी के बाद देश के पुनर्निर्माण में टाटा समूह ने प्रमुख भूमिका निभाई। इस समूह के माध्यम से रतन टाटा ने वैश्विक स्तर पर भारत का परचम लहराया। कारों से लेकर नमक तक और कंप्यूटर से लेकर कॉफी-चाय तक, टाटा का नाम कई उत्पादों के साथ गर्व से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रतन टाटा ने शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज सेवा के क्षेत्र में भी अपना अद्वितीय योगदान दिया। मुंबई पर 26/11 हमले के बाद उनकी दृढ़ता के लिए उन्हें याद किया जाएगा। रतन टाटा ने कोविड के दौरान तुरंत पीएम रिलीफ फंड में 1500 करोड़ रुपए दिए। साथ ही अपने अधिकांश होटलों को कोविड के दौरान मरीजों के लिए उपलब्ध कराया। उनकी महानता सदैव याद रखी जायेगी। उनमें नवप्रवर्तन और परोपकारिता का अद्वितीय समन्वय था। उन्होंने अपने *टाटा मूल्यों* से कभी समझौता नहीं किया। वह युवाओं के बीच उपलब्धि और प्रयोग को प्रोत्साहित करने में हमेशा आगे रहते थे। उन्होंने गढ़चिरौली जैसे दूरदराज के इलाकों में युवाओं को अवसर और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एक नवाचार केंद्र शुरू किया। हमें उन्हें महाराष्ट्र सरकार का पहला *उद्योग रत्न* पुरस्कार प्रदान करने का सौभाग्य मिला। उनके मार्गदर्शन से महाराष्ट्र को सदैव लाभ हुआ है। रतन टाटा के निधन से हमारे देश और महाराष्ट्र को अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी इन महान उपलब्धियों को देखते हुए हम भारत सरकार से उन्हें भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किए जाने का अनुरोध करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के ...

गणराज्य (लाओ पीडीआर) के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफनाडोन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय यात्रा पर आज विएंतियाने पहुंचे। लाओस दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन आसियान का वर्तमान अध्यक्ष है। प्रधानमंत्री मोदी इस दौरान 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 19वें पूर्वी एशिया सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। लाओस के लोगों ने होटल डबल ट्री में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए हिन्दी में अभिवादन किया। भारतीय प्रवासियों और लाओस समुदाय के लोगों ने गायत्री मंत्र का पाठ भी किया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने लाओस के वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं के आशीर्वाद समारोह में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह नई दिल्ली से लाओस रवाना पर एक्स हैंडल पर लिखा कि 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए लाओस के लिए प्रस्थान। यह एक विशेष वर्ष है, क्योंकि हम अपनी एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का जश्न मना रहे हैं, जिससे हमारे देश को पर्याप्त लाभ हुआ है। इस यात्रा के दौरान विभिन्न विश्व नेताओं के साथ विभिन्न द्विपक्षीय बैठकें और बातचीत भी होंगी।

असम में अब तक ...

भाजपा की असम इकाई अपने निर्धारित लक्ष्य के 100 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है। हिमंत ने कहा कि 40,000 से अधिक सदस्यों को नामांकित करने में कड़ी मेहनत के लिए टिटाबोर और टेओक निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को बधाई। भाजपा की सदस्यता का नवीनीकरण तथा नए सदस्यों को शामिल करने के लिए सितंबर के प्रारंभ में शुरू किया गया सदस्यता अभियान राज्य के सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों में जारी है।

हम शांतिप्रिय देश ...

उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आसियान क्षेत्र के देशों के साथ बहुपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए भारत द्वारा की गई अन्य पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए समुद्री अभ्यास शुरू किया गया था। पिछले 10 वर्षों में आसियान क्षेत्र के साथ हमारा व्यापार लगभग दोगुना होकर 130 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। आज भारत के पास सात आसियान देशों के साथ सीधी उड़ान कनेक्टिविटी है और बहुत जल्द, ब्रुनेई के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने तिमोर लेस्ते में नए वाणिज्य दूतावास खोले हैं। सिंगापुर आसियान क्षेत्र का पहला देश था, जिसके साथ हमने फिनटेक कनेक्टिविटी स्थापित की और अब इसे अन्य देशों में भी दोहराया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का लगभग सात आसियान देशों के साथ सीधा उड़ान संपर्क है और ब्रुनेई के साथ भी यही शुरू होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जन-केंद्रित दृष्टिकोण हमारी डेवेलपमेंट पार्टनरशिप का आधार है। 300 से अधिक आसियान छात्रों को नालंदा यूनिवर्सिटी में स्कॉलरशिप का लाभ मिला है। विश्वविद्यालय का नेटवर्क लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा कि लाओस, कंबोडिया, वियतनाम, म्यांमार, इंडोनेशिया में साझी विरासत और संरक्षण के लिए काम किया गया है। चाहे कोविड महामारी हो या प्राकृतिक आपदा, हमने एक-दूसरे की मदद की है। भारत ने कई क्षेत्रों में सहयोग के लिए भारत-आसियान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कोष, हरित कोष और डिजिटल कोष में 30 मिलियन डॉलर का योगदान भी दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और आसियान पड़ोसी हैं, वैश्विक दक्षिण में साझेदार हैं और दुनिया में तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र हैं।

आत्ममंथन की बजाय ...

के सारे दावे झूठे हैं। ये अपनी हार का ठीकरा कभी चुनाव आयोग और कभी ईवीएम पर फोड़ रहे हैं। आत्मंथन करने के बजाय हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने में लगे हुए हैं। चुग ने कहा कि राहुल गांधी एक जिद्दी बालक की तरह अपनी परीक्षा में असफल होने के बाद आत्ममंथन करने के बजाय फेल होने का ठीकरा परीक्षा केंद्र और शिक्षकों पर फोड़ रहे हैं। दिल्ली सरकार के फंड की कमी की बात पर चुग ने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार की गलत आर्थिक नीति एवं घटिया वित्तीय प्रबंधन की वजह से पंजाब को कर्ज के जाल में फंसाने के बाद अब दिल्ली सरकार दिवालिया होने के कगार पर है।

दक्षिण कोरियाई लेखिका...

से डेमिस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को प्रोटीन संरचना भविष्यवाणी के लिए दिया गया। इससे पहले मंगलवार को भौतिकी क्षेत्र के लिए अवॉर्ड का एलान किया गया था। जॉन जे. हॉपफील्ड और जेफ्री ई. हिंटन को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार देने का फैसला किया गया था। इन्हें कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के साथ मशीन लर्निंग को सक्षम करने वाली मूलभूत खोजों और आविष्कारों के लिए यह पुरस्कार देने का फैसला किया गया था। वहीं, सोमवार को फिजियोलॉजी या मेडिसिन क्षेत्र के लिए इस सम्मान के विजेताओं के नाम का एलान किया गया था। इस साल अमेरिका के विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन को चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया। दोनों को माइक्रो आरएनए की खोज के लिए यह सम्मान दिया गया। 2023 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार नॉर्वे के लेखक जॉन फॉसे को दिया गया था। उन्हें उनके अभिनव नाटकों और गद्य के लिए इस सम्मान से नवाजा गया था, जो अनकही की आवाज बनते हैं। फॉस ने अपने पहला उपन्यास रेड एंड ब्लैक में आत्महत्या जैसे संवेदनशील मुद्दे पर लिखा था। फॉसे साहित्य का नोबेल पुरस्कार पाने वाले चौथे नॉर्वेजियन लेखक थे। ब्योर्नस्टजर्न ब्योर्नसन को 1903 में, नट हैम्सन को 1920 में और सिग्रिड अनडसेट को 1928 में यह पुरस्कार दिया गया था। साहित्य के क्षेत्र में अब तक 121 लोगों को नोबेल मिला है। इसमें केवल 18 महिलाएं हैं। रबींद्रनाथ टैगोर अकेले भारतीय हैं, जो साहित्य के नोबेल से सम्मानित हुए हैं। उन्हें यह पुरस्कार 1913 में मिला था। 2022 के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार फ्रेंच लेखिका एनी अर्नो को दिया गया था। एनी का जन्म एक सितंबर 1940 को हुआ था। वे एक फ्रांसीसी लेखक और साहित्य की प्रोफेसर हैं। उनका साहित्यिक कार्य ज्यादातर आत्मकथात्मक, समाजशास्त्र पर आधारित होता है। नोबेल समिति ने कहा था कि अर्नो (82) को यह सम्मान साहस और लाक्षणिक तीक्ष्णता के साथ व्यक्तिगत स्मृति के अंतस, व्यवस्थाओं और सामूहिक बाधाओं को उजागर करने वाली उनकी लेखनी के लिए दिया गया। चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के साथ ही नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की शुरूआत हो गई थी। इसका एलान सात अक्तूबर यानी सोमवार को किया गया था। इसके बाद आठ अक्तूबर यानी मंगलवार को भौतिकी के नोबेल का एलान किया गया। इसके बाद बुधवार को रसायन विज्ञान के नोबेल का एलान किया गया। अब गुरुवार को साहित्य के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता के नाम की घोषणा गई। इसके अलावा नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में इस पुरस्कार के विजेता की घोषणा 14 अक्तूबर को की जाएगी। पुरस्कारों में 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर यानी एक मिलियन अमेरिकी डॉलर या दस लाख डॉलर का नकद पुरस्कार दिया जाता है। धनराशि अवॉर्ड के संस्थापक और स्वीडिश आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की छोड़ी हुई वसीयत से आती है। 1896 में उनका निधन हो गया था। नोबेल पुरस्कार अधिकतम तीन विजेताओं को दिया जा सकता है। उन्हें पुरस्कार राशि साझा करनी होती है।

मणिपुर के म्यांमार के सीमावर्ती जिलों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हिंसात्मक गतिविधियों के बीच राज्य भर में सघन छापामारी और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान म्यांमार के सीमावर्ती जिलों के अलग-अलग स्थानों से सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षा बलों ने मैगजीन के साथ दो .32 पिस्तौल, मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, दो नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, दो इम्प्रोवाइज्ड 2 मोर्टार, 32 जीवित गोला-बारूद, 80 खाली केस गोला-बारूद, पांच आंसू गैस के गोले, दो डब्ल्यूपी ग्रीन नंबर .80 एमके 1, एक रबर बुलेट शेल, एक स्मोक हैंड ग्रेनेड और एक आर्मिंग रिंग और दो रेडियो वायरलेस सेट (बाओफेंग) लंगोल हिल, लुवांगशांगबाम, इंफाल पूर्वी जिले से बरामद किए। एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्वी जिले के चम्फाई हिल से एक एम-16 राइफल बिना मैगजीन, दो एसएलआर बिना मैगजीन, एक .22 राइफल बिना मैगजीन, एक देशी स्टेन

गन बिना मैगजीन, दो कार्बाइन और पांच मैगजीन, आठ देशी 9 एमएम पिस्तौल (जिनमें से 3 बिना साइड हैंडग्रिप के), 30 मैगजीन, 12 पीस 2 मोर्टार आईएलयू बम बरामद किया। इनके अलावा तलाशी अभियान के दौरान इंफाल पश्चिम जिले के खेलाखोंग से एक एसएलआर राइफल, एक मैगजीन के साथ एक संशोधित .303 राइफल, एक मैगजीन के साथ एक 9 एमएम पिस्तौल, 16 जीवित राउंड गोला बारूद, पांच खाली राउंड गोला बारूद, एक 36 हैंड ग्रेनेड, दो एम 67 हैंड ग्रेनेड, एक ट्यूब लांचर, दो टियर स्मोक शैल, दो स्टन शैल, एक मोटोरोला वायरलेस हैंडसेट, एक चार्जर और एक बोरी बैग बरामद किया गया। सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर जिले के कांगवई से दो पंपी लोकल निर्मित 3, दो हैंड ग्रेनेड लोकल निर्मित, दो लोकल निर्मित पिस्तौल, दो हैंड सेट एनालॉग, एक स्मोक बम बरामद किया। सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के गेलबुंग गांव से एक एके-47 राइफल और एक मैगजीन, एक 12 बोर सिंगल बैरल राइफल, एक 12 बोर पिस्तौल, एक 9 मिमी सीएमजी और एक मैगजीन, एक 5.56 मिमी इंसास एलएमजी मैगजीन, एक एम20 पिस्तौल मैगजीन, चार 9 मिमी सीएमजी लाइव राउंड गोला बारूद, एक 12 बोर कारतूस, पांच नग 36 हैंड ग्रेनेड, एक टियर स्मोक ग्रेनेड, पांच डेटोनेटर, चार ट्यूब लांचर, चार ट्यूब लांचर आर्मिंग रिंग, 2.5 किलोग्राम संशोधित विस्फोटक आईईडी, दो बुलेट प्रूफ जैकेट, तीन बुलेट प्रूफ प्लेट, दो जोड़ी जंगल जूते, एक हेलमेट बरामद किए।

दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

होजाई (हिंस)। लुमडिंग में होजाई जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान नागरिकों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने एक संवाददाता सम्मेलन में गुरुवार को लुमडिंग में पूजा के मौके पर विभिन्न सड़कों पर लगाए गए नो एंट्री और ट्राफिक नियमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस एवं प्रशासन ने विशेष रूप से पूजा की दशमी यानी मूर्ति विसर्जन के दिन के लिए विभिन्न नियम बनाए हैं। उन्होंने लमडिंग थाना- 6026900663, लमडिंग थाना प्रभारी- 7002808580, फायर ब्रिगेड- 863263510, होजाई पुलिस नियंत्रण- 6000824750, लामडिंग सिविल अस्पताल आदि का नंबर जारी किया। पुलिस ने किसी भी प्रकार की परेशानी की स्थिति में जारी हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करने की लोगों से अपील की है।

आज 26 दुर्गा मंडपों में जाकर दर्शन करे रहे हैं मुख्यमंत्री शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा दुर्गा पूजा की सप्तमी के अवसर पर आज राजधानी गुवाहाटी के वार्ड नंबर दो, नौ तथा 23 के 26 दुर्गा मंडपों में जाकर मां दुर्गा का दर्शन करे रहे हैं। मुख्यमंत्री दिसपुर से निकलकर धीरेनपाड़ा, गणेशपाड़ा, मालीगांव, कामाख्या गेट, मिलननगर, गोटानगर पानबाजार, पलटन बाजार आदि इलाकों में स्थित पूजा मंडपों में दर्शन के लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री के पूजा दर्शन की कामरूप (मेट्रो) पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने दोपहर दो बजे से पूजा मंडपों में जाकर पूजा अर्चना के अपने कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा से राज्य में शांति समृद्धि एवं राज्यवासियों की प्रगति के लिए प्रार्थना की।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। टाटा समूह के मानद चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन से देश में शोक की लहर है। रतन टाटा के निधन पर देश की दिग्गज हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने रतन टाटा के निधन पर शोक प्रकट करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने रतन टाटा को एक महान व्यक्ति बताया। गोगोई ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि उनके साथ कुछ पल बिताना सम्मान और सौभाग्य की बात थी। उन्होंने आगे कहा कि न केवल व्यापार जगत ने, बल्कि पूरे देश ने एक ऐसे व्यक्ति को खो दिया है, जिसने कई दशकों तक सभी को प्रेरणा दी है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई और दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा दोनों को असम के सर्वोच्च नागरिक सम्मान *असम बैभब* से सम्मानित किया जा चुका है। रतन टाटा को वर्ष 2022 के लिए यह सम्मान दिया गया था, जबकि रंजन गोगोई को इसी वर्ष *असम बैभब* सम्मान मिला है।

एसएसबी ने इमारती लकड़ी समेत भारी मात्रा में भूटानी मदिरा किया जब्त

कोकराझार (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली के बाह्य सीमा चौकी सरलापाड़ा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सीमा चौकी सरलापाड़ा (एसएसबी) एवं वन विभाग उल्टापानी के साथ मिलकर, भारत-भूटान पिलर संख्या-151/4 से लगभग 1 किलोमीटर भारत की ओर गणेश मंदिर के नजदीक गस्ती के दौरान कटी हुई लगभग 36 सीएफटी इमारती लकड़ी को जब्त किया। वही दूसरी ओर सीमा चौकी दादगिरी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भारत भूटान सीमा स्तंभ संख्या-169/3 से 02 किलोमीटर भारत की ओर भारत भूटान गेट के पास वाहन चेकिंग के दौरान भूटान से भारत की ओर आ रहे मारूती सुजुकी बैगनार (रजिस्ट्रेशन न. एएस 16बी-0547) को संदेहात्मक तौर पर रोक कर वाहन चालक से पूछ-ताछ व चेकिंग की

गई चेकिंग के दौरान उक्त वाहन में सुपर स्ट्रांग बियर-480 बोतल, भूटानी ब्लैक माउन्टेन व्हिस्की-66, एवं भुटानी ग्रिन व्हिस्की-12 बोतल पाया गया। जब मदिरा से संबंधित दस्तावेज की मांग की गई तो वाहन चालक किसी प्रकार के दस्तावेज, चेकिंग टीम को प्रस्तुत नहीं कर पाया। जब्त की गई अवैध लकड़ी को उल्टापानी तथा मदिरा व वाहन सहित चालक को लैंड कस्टम ऑफिस हातीसार में अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपूर्द किया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा लगातार चलाये गए प्रचालन गतिविधियों के कारण भारत-भूटान सीमा पर तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगा है।

पूजा के मौके पर देसी शराब के विरुद्ध अभियान

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले के ढकुवाखाना में शारदीय नवरात्र के अवसर पर ढकुवाखाना समजिला देसी शराब के नशे में एक प्रकार से डूब गया है। शिकायतों के बाद सक्रिय हुए ढकुवाखाना आबकारी सर्किल ने अवैध शराब के विरुद्ध जोरदार अभियान चला रहा है। आबकारी सूत्रों आज बताया है कि अवैध देसी शराब विरोधी अभियान चलाकर बड़ी संख्या में देसी शराब की भट्ठियों को तोड़ दिया गया। ढकुवाखाना सर्किल के नवनियुक्त सर्किल इंस्पेक्टर पराग चेतिया के नेतृत्व में आबकारी विभाग की एक टीम ने अवैध देशी शराब के विरुद्ध यह अभियान चलाया। छापामारी के दौरान भाड़ी मात्रा में अवैध सामान जब्त किया गया। घिलामारा थाना अंतर्गत

रायदंगिया, भाटी फुकन गांव, लाहिबारी और जालभारी जैसे गांवों में टीम द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान चूलाई से बना लगभग 210 लीटर पाज, लगभग 20 लीटर चुलाई और तीन चुलाई तैयार करने वाला उपकरण बरामद किया गया और बनाए गए शराबों को नष्ट कर दिया गया।

जुआ खेलने के आरोप में छह व्यक्ति गिरफ्तार

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के मुकालमुआ के लारकुची में पुलिस की टीम ने अभियान चलाकर जुआ खेलने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि दौलासाल पुलिस द्वारा लारकुची इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान जुआ खेलने के आरोप में छह जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार जुआरियों की पहचान फजिल हक, सद्दाम हुसैन, मैनुल हक, मोहिउद्दीन, जब्बार अली और सासेश अली के रूप में की गई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों के पास से जुआ खेलने की सामग्री बरामद की है। पुलिस गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायालय में पेश किया जहां से न्यायालय ने सभी को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सितंबर में माल लोडिंग में पूसीरे ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) माल लोडिंग में लगातार प्रगति दर्ज कर रहा है। सितंबर में रेलवे ने 0.891 मिलियन टन माल लोडिंग दर्ज किया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया कि चालू वर्ष के सितंबर माह के दौरान कुछ वस्तुओं की लोडिंग में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस महीने के दौरान पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में सीमेंट लोडिंग में 80 प्रतिशत, खाद्यान्न लोडिंग में 10.2 प्रतिशत, उर्वरक लोडिंग में 23.5 प्रतिशत और कंटेनर लोडिंग में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अन्य वस्तुओं जैसे लकड़ी और बलास्ट लोडिंग में क्रमशः 275 प्रतिशत और 44.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। विविध वस्तुओं के लोडिंग में भी 152.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि के दौरान पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में यह वृद्धि हुई है। माल लोडिंग में निरंतर वृद्धि इस क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों को दर्शाती है। सितंबर, 2024 तक पूसीरे का संचयी माल लोडिंग 5.368 मिलियन टन तक पहुंच चुका है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। माल परिवहन में इस बढ़ती प्रवृत्ति ने न केवल इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि पूसीरे के लिए महत्वपूर्ण राजस्व का भी सृजन किया है। चूंकि पूसीरे माल परिवहन में निरंतर प्रगति कर रहा है, इसलिए यह अपनी सेवाओं की विश्वसनीयता और दक्षता बढ़ाने के लिए तकनीकी उन्नयन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ताकि भविष्य में और अधिक वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

नकली भारतीय मुद्रा के साथ तीन शातिर अपराधी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने राजधानी के दिसपुर थानांतर्गत बोरमोटोरिया विष्णु पथ बाईलेन नंबर स्थित रिब्रज-एवेन्यू अपार्टमेंट में छापामारी कर नकली भारतीय मुद्रा के साथ तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा आज जारी एक बयान में बताया गया है कि गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने छापामारी कर मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से नकली नोट के साथ ही अन्य सामग्री बरामद की। बरामद सामानों में एक इनोवा क्रिस्टा कार (एएस-01एफआर-2909), 14 हजार रुपये के अंकित मूल्य के 28 नकली भारतीय नोटों के साथ सफेद कागज का एक बंडल जो चिपकने वाली टेप से लिपटा हुआ था, 6 मोबाइल फोन, नकली नोट को बांधने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 6 चिपकने वाले टेप, एक पेपर कटर, एक तराजू, एक प्लास्टिक रैपिंग पेपर बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार लोगों की पहचान नूर आलम (32, बिपुरिया, लखीमपुर), साहिदुल आलम (25, मंगलदोई, दरंग)

और मुन्ना अहमद (26, मंगलदोई, दरंग) के रूप में की गई है। ये सभी वर्तमान में सी/ओ सरबानी बरुवा, बिष्णु पथ, बाइलेन नंबर 2, बोरमोटोरिया, दिसपुर में रह रहे थे। एसटीएफ ने तीनों आरोपितों एवं बरामद सामग्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए दिसपुर थाने को सौंप दिया है।

गुवाहाटी के बेलतला स्थित लखी मंदिर दुर्गा पूजा का भव्य पंडाल का दृश्य।

नगांव में बरामद अज्ञात युवक का शव

नगांव (हिंस)। जिले के जाजरी थाना अंतर्गत हातिचोंग टुकुराबाही गरखिया पथार में एक अज्ञात युवक का शव बरामद किए जाने को लेकर सनसनी फैल गई। पुलिस ने आज बताया कि स्थानीय लोगों ने धान के खेत के बीच में शव पड़ा देखा तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए नगांव भेज दिया। लोगों को शक है कि मृतक को किसी ने मारकर फेंक दिया होगा। क्षत-विक्षत अवस्था में मिले शव की अंतिम सूचना मिलने तक पहचान नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस ने अपनी ओर से कार्रवाई कर रही है। वहीं जानकारों के अनुसार इस कुछ समय से राज्य के कई हिस्सों में लावारिश शव देखी जा रही है।

मालीगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में कन्याओं ने माती की गोद भराई कार्यक्रम

गुवाहाटी। स्थानीय मालीगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में गुरुवार को स्थानीय पंडित अभिषेक शास्त्री के मंगल सानिध्य में तथा पंडित नरेंद्र कुमार शास्त्री के कुशल निर्देशन में पद्मावती माता एवं छत्रपाल बाबा कि वेदी में फूलों से अलौकिक सिंगार किया गया। तत्पश्चात माता का जाप, अभिषेक सिंगार आदि के पश्चात कुंवारी कन्याओं द्वारा माता की गोद भराई कि गई। इस मौके पर स्थानीय महिला गायक कलाकारों ने अपने-अपने भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया । इससे पूर्व आज माता का विधान करने का परम सौभाग्य सुशील कुमार कासलीवाल एवं सुमेरमल पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर समाज के बच्चे, पुरुष एवं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन माता की महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया। ।जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं

ने प्रसाद ग्रहण कर पूर्णियार्जन किया। मालूम हो कि नौं दिवसीय नवरात्र का समापन रविवार को माता की सामूहिक गोद भराई एवं कलश विसर्जन के साथ होगा। यह जानकारी मंदिर के प्रमुख चैंनरूप बगड़ा एवं सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।।

संपादकीय

शांत, स्थिर कश्मीर का जनादेश

जम्मू-कश्मीर में लोगों ने 'त्रिशंकु जनादेश' नहीं दिया, जैसा कि चुनाव विशेषज्ञों और एग्जिट पोल ने संभावनाएं जताई थीं। लोगों ने स्थिरता, शांतमय, पूर्णता और निरंतरता को चुना, लेकिन इस बार भी जनादेश विभाजित जरूर रहा। हिंदू-मुसलमान की तर्ज पर जनादेश भी बंटा रहा। कुल 60 सीटें मुस्लिम बहुल और 30 हिंदू बहुल थीं। मुसलमानों ने 48 सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को दीं और 29 सीटों पर भाजपा जीती। मात्र 6 सीटें कांग्रेस के हिस्से आईं। जम्मू में प्राथमिकता का जनादेश भाजपा और कश्मीर घाटी में नेशनल गठबंधन के पक्ष में रहा। एक बार फिर घाटी में भाजपा 'शून्य' ही रही। ऐसा क्यों होता है कि मुसलमान भाजपा को निर्णायक वोट नहीं देते? सरकार ने विकास-कार्य किए हैं, तो उनका फायदा मुसलमानों को भी हो रहा है। यह कश्मीर में भाजपा का 'सांप्रदायिक बहिष्कार' है, लिहाजा इसे जनादेश नहीं मान सकते। यह एक संघशासित क्षेत्र का कुल जनादेश है, जो दरअसल जम्मू में कुछ और है, कश्मीर में कुछ और है। बहरहाल चुनाव आयोग की भाषा में यह साझा और संपूर्ण जनादेश है। ये चुनाव बिल्कुल शांत, सहज रहे। कोई गोली नहीं चली, कोई ग्रेनेड नहीं दागी गई। कोई बहिष्कार नहीं किया गया और न ही दोबारा मतदान की कोई मांग की गई। पाकिस्तान, आतंकवाद, अलगाववाद, पत्थरबाजी और बम धमाकों की आवाजें भी सुनाई नहीं दीं। करीब 30 पूर्व आतंकवादी, अलगाववादी और जमात-ए-इस्लामी के सदस्य चुनाव हार गए। जमात पर प्रतिबंध हटा लिया गया था। उसने भी 'राजनीतिक प्रक्रिया' के जरिए जम्मू-कश्मीर की मुख्यधारा में शामिल होना चाहा, लेकिन जनता ने उसे पूरी तरह नकार दिया। जनादेश इतना मजबूत और निश्चित था कि पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पीडीपी को मात्र 3 सीटें ही नसीब हुईं। उनकी बेटी इल्तिजा तक चुनाव हार गई। इसके अलावा, सांसद इंजीनियर रशीद की 'अवामी इत्तेहाद पार्टी' एक ही सीट तक सिमट कर रह गई। भाजपा ने भी घाटी में निर्दलीय चेहरों पर बड़ा दांव खेला था। चुनाव के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, अपनी पार्टी के कई पूर्व मंत्रियों और विधायकों को भी भाजपा में शामिल किया गया था, लेकिन किसी भी 'रंगे सियार' को जनादेश नहीं मिला। बहरहाल यह अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने के बाद का पहला चुनाव था। हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस जैसी पार्टियां 370 की बहाली की मांग करती रही हैं, लेकिन कोई ऐसी जिद नहीं है, जिसे 'अलोकतांत्रिक' करार दिया जाए। जम्मू-कश्मीर में सब कुछ खुला, स्वतंत्र और सक्रिय है। हालांकि भाजपा ने गुर्जर, बक्करवाल और पहाडियों को 'अनुसूचित जनजाति' का दर्जा देकर आरक्षण मुहैया कराने का फैसला किया था। उसे संसद तक में पारित कराया गया था। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने इन जनजातियों को 'राजनीतिक आरक्षण' देने के भी आश्वासन दिए। यदि इनके पर्याप्त वोट भाजपा को मिल जाते, तो उसे 9 अधिक सीटें मिल सकती थीं। यदि ऐसा होता, तो जम्मू-कश्मीर में सत्ता के समीकरण ही बदल जाते। बहरहाल जो जनादेश सामने है, उसके मद्देनजर नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन की सरकार बनना तय है। करीब 15 साल बाद इस गठबंधन की सरकार बन रही है। डा. फारूक अब्दुल्ला के मुताबिक, उमर अब्दुल्ला नई सरकार के मुख्यमंत्री होंगे। कमाल देखिए कि उमर विधानसभा चुनाव में बडगाम और गांदरबल सीटों से विजयी रहे हैं, जबकि लोकसभा चुनाव में वह बारामूला सीट से इंजीनियर रशीद से 2 लाख से अधिक मतों से हार गए थे। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि यह भारतीय संविधान पूरी तरह लागू होने के बाद जम्मू-कश्मीर का पहला चुनाव, पहला जनादेश है। अब 370 के बाद कश्मीर अधिक खिला है और खिलखिला रहा है।

हिंदू-मुसलमान की तर्ज पर जनादेश भी बंटा रहा। कुल 60 सीटें मुस्लिम बहुल और 30 हिंदू बहुल थीं। मुसलमानों ने 48 सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को दीं और 29 सीटों पर भाजपा जीती। मात्र 6 सीटें कांग्रेस के हिस्से आईं। जम्मू में प्राथमिकता का जनादेश भाजपा और कश्मीर घाटी में नेशनल गठबंधन के पक्ष में रहा। एक बार फिर घाटी में भाजपा 'शून्य' ही रही। ऐसा क्यों होता है कि मुसलमान भाजपा को निर्णायक वोट नहीं देते? सरकार ने विकास-कार्य किए हैं, तो उनका फायदा मुसलमानों को भी हो रहा है। यह कश्मीर में भाजपा का 'सांप्रदायिक बहिष्कार' है, लिहाजा इसे जनादेश नहीं मान सकते। यह एक संघशासित क्षेत्र का कुल जनादेश है, जो दरअसल जम्मू में कुछ और है, कश्मीर में कुछ और है। बहरहाल चुनाव आयोग की भाषा में यह साझा और संपूर्ण जनादेश है। ये चुनाव बिल्कुल शांत, सहज रहे। कोई गोली नहीं चली, कोई ग्रेनेड नहीं दागी गई। कोई बहिष्कार नहीं किया गया और न ही दोबारा मतदान की कोई मांग की गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल पर कराया जाता है

गांव को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए मजबूत पहल की जरूरत

ममता कुमारी

केंद्र सरकार की ओर से कराये जाने वाला यह सर्वेक्षण देश में स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति को समझने में सहायक सिद्ध होता है। दरअसल आज भी हमारे देश में में कुपोषण की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में इसका आंकड़ा ज्यादा नजर आता है। इसकी प्रमुख वजह कमज़ोर आर्थिक स्थिति मानी जा सकती है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली किशोरियों और महिलाओं को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसका प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य पर भी नज़र आता है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के छठे दौर के सर्वे का काम शुरू हो गया है। इसे केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल पर कराया जाता है। इसके माध्यम से देश की जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृत्व स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा इत्यादि से संबंधित मुख्य संकेतकों का आकलन किया जाता है। केंद्र सरकार की ओर से कराये जाने वाला यह सर्वेक्षण देश में स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति को समझने में सहायक सिद्ध होता है। दरअसल आज भी हमारे देश में में कुपोषण की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में इसका आंकड़ा ज्यादा नजर आता है। इसकी प्रमुख वजह कमज़ोर आर्थिक स्थिति मानी जा सकती है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली किशोरियों और महिलाओं को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसका प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य पर भी नज़र आता है। बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में भी कुपोषण की समस्या पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है। हालांकि केंद्र और राज्य सरकार इस दिशा में काफी गंभीर प्रयास कर रही है। लेकिन अभी भी बहुत से ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या नज़र आती है। ऐसा ही एक गांव गया का कैशापी पुरानी डिह है। जिला मुख्यालय से 32 किमी और डोभी प्रखंड से करीब 5 किमी दूर इस गांव की कई महिलाएं, किशोरियां और बच्चे कुपोषण की समस्या से जूझते नज़र आ जायेंगे। इस संबंध में 28 वर्षीय मालती पासवान बताती हैं कि उनके चार बच्चे हैं। पति खलासी (कंडक्टर) का काम करते हैं। आमदनी इतनी नहीं है कि घर में सभी के लिए पौष्टिक आहार उपलब्ध हो सके। इसलिए अक्सर वह और बच्चे कई प्रकार की बीमारियों का शिकार रहते हैं। एक अन्य महिला 32 वर्षीय विमला कहती हैं कि गर्भवती महिलाओं को आंगनबाड़ी से पौष्टिक आहार उपलब्ध हो जाता है। जिससे इस दौरान उनकी सेहत अच्छी रहती है। लेकिन अन्य दिनों में घर में अनाज की व्यवस्था करना कठिन काम होता है। पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार अनुसूचित जाति बहुल कैशापी पुरानी डिह गांव में 633 परिवार आबाद हैं। जिनकी कुल

आबादी लगभग 3900 है। इनमें करीब 1600 अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग परिवार रहता है। गांव में पासवान और महतो समुदायों की संख्या अधिक है। ज़्यादातर परिवार के पुरुष नोएडा, सूरत, कोलकाता और अमृतसर जैसे शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों में दैनिक मज़दूर के रूप में काम करने जाते हैं। कुछ मकान उच्च जाति के लोगों की है। जो आर्थिक रूप से संपन्न होने के कारण बड़े पैमाने पर कृषि कार्यों से जुड़े हुए हैं। यहां के 48 वर्षीय पूरन महतो बताते हैं कि आर्थिक रूप से कैशापी पुरानी डिह के लोग बहुत कमज़ोर हैं। आय के साधन सीमित हैं। ऐसे में बच्चों, महिलाओं व किशोरियों के लिए पोषण युक्त खाने की व्यवस्था करना परिवार के लिए संभव नहीं है। आमदनी इतनी ही होती है कि किसी प्रकार परिवार का गुज़र बसर हो जाए। वह कहते हैं कि सरकार की ओर से आंगनबाड़ी और स्कूल में मिलने वाले मध्यान भोजन (मिड डे मील) की सुविधा के कारण बहुत से घरों के बच्चों को अच्छा भोजन उपलब्ध हो पाता है। 7वीं में पढ़ने वाली 12 वर्षीय किशोरी पूजा बताती है कि वह अपने भाई-बहन के साथ प्रतिदिन स्कूल इसीलिए जाती है क्योंकि वहां दोपहर खाने के लिए अच्छा भोजन मिलता है। गांव में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की संचालिका आशा देवी बताती हैं कि कैशापी पुरानी डिह गांव के लगभग सभी परिवार की महिलाएं, बच्चे और किशोरियां कुपोषण से ग्रसित नज़र आएंगी। इसकी प्रमुख वजह उनका आर्थिक रूप से कमज़ोर होना है। ज़्यादातर परिवार की आमदनी इतनी ही है कि उनका किसी प्रकार गुज़ारा चलता है। पोषण की कमी के कारण महिलाओं में खून की कमी पाई जाती है। जिससे उनमें रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है और वह कई बिमारियों का शिकार हो जाती हैं। पर्याप्त संतुलित आहार की कमी के कारण किशोरियों में भी खून की कमी होती है। जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आशा देवी बताती है कि पहले की अपेक्षा अब गांव में कम उम्र में ही लड़कियों की शादी लगभग समाप्त हो गई है लेकिन दो बच्चों के बीच अंतराल की समस्या गहरी है। पौष्टिक आहार की कमी और जल्दी जल्दी गर्भधारण के कारण महिलाओं के स्वास्थ्य पर सबसे अधिक असर पड़ता है। कई बार प्रसव के दौरान खून की कमी के कारण महिला की मौत भी हो जाती है। आशा देवी कुपोषण के कारणों पर बात करते हुए बताती हैं कि जिस व्यक्ति के शरीर में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन की कमियां होती हैं उसे कुपोषण की श्रेणी में रखा जाता है। इसकी वजह जहां गांव में गरीबी और रोज़गार की कमी है। वहीं घर का अच्छा खाना पुरुषों को देने की सामाजिक और पारंपरिक प्रचलन से भी महिलाओं के हिस्से में नाममात्र के पौष्टिक आहार उपलब्ध हो पाते हैं। वह कहती हैं कि गर्भवती महिलाओं में कुपोषण की वजह से जच्चा और बच्चा दोनों के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है जबकि बच्चों में कुपोषण की कमी के कारण उनका शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है। आशा देवी के अनुसार कैशापी पुरानी डिह में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार लाने की बहुत ज़रूरत है। विशेषकर कुपोषण के विरुद्ध बहुत अधिक काम करने की जरूरत है क्योंकि इससे यहां की महिलाओं, किशोरियों और बच्चों का विकास प्रभावित हो रहा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पांचवें दौर के दूसरे चरण की जारी रिपोर्ट के अनुसार कुपोषण के मामले में पहले चरण की तुलना में मामूली सुधार हुआ है लेकिन अभी भी इस विषय पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। भारत में अभी भी प्रतिवर्ष केवल कुपोषण से ही लाखों बच्चों की मौत हो जाती है। सर्वेक्षण के अनुसार करीब 32 प्रतिशत से अधिक बच्चे कुपोषण के कारण अल्प वज़न के शिकार हैं। जबकि 35.5 प्रतिशत बच्चे कुपोषण की वजह से अपनी आयु से छोटे कद के प्रतीत होते हैं।

दृष्टि कोण

पेंशन विसंगतियों से जूझते भूतपूर्व सैनिक

इन दिनों भारतीय सशस्त्र सेनाओं के भूतपूर्व सैनिकों में अपनी पेंशन विसंगतियों को लेकर भारी रोष है। 16 मार्च 2022 को न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित 'वन रैंक वन पेंशन' (ओआरओपी) नीति को बरकरार रखा था और पांच वर्षों के लंबे अंतराल के इंतजार के बाद उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद भूतपूर्व सैनिकों को 2019 से लंबित ओआरओपी-2 के देय लाभ मिले थे। हालांकि इस बार केंद्र सरकार द्वारा 01 जुलाई 2024 से देय ओआरओपी-3 के लाभों और टेबल को अनापेक्षित रूप से जारी करके दो महीनों का एरियर्स जारी भी कर दिया गया है, लेकिन फिर भी सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर भूतपूर्व सैनिकों की नाराजगी देखने-पढने को मिल रही है जिसमें कुछ श्रेणियों के जवानों और जेसीओज को मामूली पेंशन वृद्धि का लाभ मिला है तो कईयों की पेंशन में बिल्कुल भी बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। देश में लगभग 2.6 मिलियन भूतपूर्व सैनिक तथा 698252 वीर नारियां हैं। भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास पर विशेष ध्यान देने के लिए 22 सितम्बर 2004 को रक्षा मंत्रालय में भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग की स्थापना की गई थी और यह विभाग पूर्व सैनिकों की पेंशन, पुनर्वास और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालता है। विभाग द्वारा पूर्व सैनिकों की शिकायतों को सीधे ऑनलाइन के माध्यम से केन्द्रीकृत शिकायत निवारण तंत्र पोर्टल पर ईमेल के माध्यम से, डाक, टेलिफोन पर और संचार के अन्य साधनों के माध्यम से प्राप्त किए जाने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सशस्त्र बल न्यायाधिकरण में भी सैनिकों, पूर्व सैनिकों से जुड़े मामलों पर सुनवाई होती है। भूतपूर्व सैनिकों की पेंशन चिंताओं को लेकर लेफ्टिनेंट कर्नल गुर प्रकाश सिंह विर्क (सेवानिवृत्त) अपने फेसबुक अकॉउंट पर लिखते भी हैं कि केंद्र सरकार द्वारा अग्निवीरों को पेंशन लाभों से बाहर रखा जाना पेंशन देनदारियों को कम करने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। उनके अनुसार, ऐसा लगता है कि सरकार की वित्तीय प्राथमिकताएं 'सोल्जरिंग' के मूल्यों के ऊपर आ रही हैं और कई लोग सोच रहे हैं कि क्या 'बनियागिरी' सैन्य सेवा की मुख्य धारणाओं पर हावी हो रही है। पेंशन से जुड़े मुद्दे और अग्निवीर भर्ती योजना को लेकर मेजर गुरदीप सिंह का

विश्लेषण भी गौर फरमाने योग्य है कि, वर्ष 2020, 2021, 2022 में कोई भर्ती नहीं की गई। इसका मतलब सरकार ने सीधे-सीधे 2 लाख सैनिकों की फौज में कटौती कर दी थी जिसे अभी तक भरा नहीं गया है और उसके बाद अग्निवीर भर्ती योजना ले आए। यानी सारी जद्दोजहद पेंशन खर्च को नियंत्रित करने की है। यही बात सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एचएस पनाग भी कहते हैं कि वर्ष 2020 से नियमित सैनिकों की कोई भर्ती नहीं की गई है, जबकि हर साल 50 से 60 हजार के बीच सैन्यकर्मी रिटायर होते हैं। 2020 से 2023 के बीच दो लाख से लेकर 2.4 लाख के बीच सैनिक रिटायर हुए हैं जबकि अब तक केवल 72340 अग्निवीर ही ट्रेनिंग के बाद यूनिटों में शामिल किए गए हैं। इस तरह 127660 से लेकर 168660 कर्मियों की कमी हो गई है। इस कमी के कारण सेनाओं की ऑपरेशनल कुशलता पर बुरा असर पड़ा है। पेंशन बिल में कमी आने में 15-20 साल लगेंगे, जब सेवारत अग्निवीरों का प्रतिशत बढ़ेगा और उसी अनुपात में रिटायर होने वाले नियमित सैनिकों की संख्या कम होगी। यहां यह बताना भी उपयुक्त रहेगा कि तब तक, अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 20 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी और तब जीडीपी के 2-3 फीसदी के बराबर के रक्षा बजट का आकार करीब 400/600 अरब डॉलर के बराबर हो जाएगा। इतना रक्षा बजट वेतन एवं पेंशन बिल में वृद्धि के अलावा सेनाओं के गोला बारूद, उपकरणों, हथियारों, लड़ाकू जहाजों और मिसाइलों आदि की खरीद के लिए पर्याप्त होगा। वहीं अग्निवीर भर्ती योजना की खामियों को लेकर एडमिरल अरुण प्रकाश ने हाल ही में 'द वायर' को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि अग्निवीर अच्छी तरह से प्रशिक्षित नहीं हैं और केवल संतरी कर्त्तव्यों के लिए ही उपयुक्त हैं। उनके अनुसार, 'किसी नए व्यक्ति को घातक हथियार प्रणालियों, जटिल मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालन या रखरखाव का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कम से कम पांच से छह वर्ष की आवश्यकता होती है।' उन्होंने कहा कि सेना में पहले से ही जनशक्ति की कमी है और इस तरह की योजना के लिए यह सही समय नहीं है। पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह ने भी कुछ समय पहले इस योजना की आलोचना करते हुए कहा था, 'अग्निपथ के पीछे एकमात्र उद्देश्य पेंशन बिल को कम करना है।' सवाल उठता है कि पेंशन के मुद्दे को लेकर भूतपूर्व सैनिक अभी भी संतुष्ट नहीं हैं तो क्या वर्तमान केंद्र सरकार का दायित्व नहीं बनता कि वह भूतपूर्व सैनिकों की पेंशन संबंधी चिंताओं का समयबद्ध तरीके से निवारण करे। यदि केंद्र सरकार भूतपूर्व सैनिकों और बेरोजगारों की वास्तव में ही हितैषी है तो अग्निवीर की जगह नियमित सैनिकों की भर्ती करे। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि 'मशीन के पीछे खड़ा आदमी ही महत्वपूर्ण है', लिहाजा हमारी तैयारियां हथियारों को स्तरोन्नत करने के साथ-साथ उन आधुनिक मशीनों और हथियारों को चलाने वाले सैनिकों को भी उच्च प्रशिक्षित कर उन्हें हुनरमंद, सक्षम, कुशल तथा योग्य बनाने की होनी चाहिए, जिसे हम अग्निवीर जैसी योजना के दम पर हासिल नहीं कर सकते हैं और इसके लिए नियमित सैनिकों की ही जरूरत रहेगी।

कुछ अलग

दहलीज नहीं छोड़ता संत्रास

चाहे मौत हमारे दरवाजे पर दस्तक देती रहे, चाहे मृत्युबोध और उसका निरंतर असहय होता हुआ संत्रास हमारी दहलीज छोडने से इन्कार कर दे, चाहे धरती कुपित होकर हमारे महानगरों से लेकर पहाड़ों के ऊंचे माथे को भूकम्प के झटकों पर झटका दे दे, हम जीवन की निस्सारता के एक नई शाल की तरह अपने कंधों पर ओढ़ते रहेंगे और दार्शनिक मुद्रा से प्रवचन देना चाहेंगे। अब इस जीवन में रखा ही क्या है, साहब। आपको तो पहले ही मंत्रवाक्य दे दिया था 'ददन्नमंम', अर्थात सब मेरा नहीं है। आप माने नहीं। अब महापण्डितों के उवाचों में दम लगता है, 'न तेरा है न मेरा है, बस दुनिया रैन बसेरा है।' परन्तु कहां रखें इस रैन बसेरे को? आसमान से ये टिड्डियों के दल कहां से हमारे खेतों पर उतर आए? मीलों लम्बे दल। देखते ही देखते लहलहाती फसलों को चट करके इन्हें वीराना बनाने लगे। दुनिया भर के देशों और मध्यपूर्व में युद्ध की धमक होने लगी। मृत्यु आर्तनाद कर रही है। हमारी सरहदों पर भी तनाव खत्म नहीं हो पाया। साब! सवाल देश की प्रतिष्ठा की रक्षा का है। हम इसकी संप्रभुता को खंडित नहीं होने देंगे। भूख, बेकारी, बीमारी को फिलहाल भूल जाओ। वक्त देश के लिए कुर्बान होने का है। महाप्रभुओं ने कहा 'दुश्मन को आर्थिक रूप से अपंग कर देने का वक्त है। यह इसलिए आओ, लोकल के लिए वोकल हो जाएं। आओ दगाबाज दुश्मन के सामान की होली जलाएं। हमारा सामान बना है या नहीं, बाद में देख लेंगे। पहले उसका पाटिया तो गुल कर दें।' हर समाचार और वीडियो चैनलों ने अपने कैमरों के सामने आत्मतोष से मुस्कराते हुए चिंतक बिठा दिए, जो बता रहे हैं कि इन दिनों अच्छे दिनों का स्वागत कैसै करना है। चिंता और व्यग्रता से छुटकारा कैसे पाना है? ज्यों ज्यों आपदा बढ़ती है, आपदा के नए बाजार सब ओर सजने लगते हैं। स्वाधीनता दिवस आता है, फिर गणतंत्र दिवस भी। झण्डा फहराते हुए साहब कितने मसीहा से लगेंगे। फिलहाल उनसे दिलासा अथवा सांत्वना का प्रवचन सुनिये। उस शक्ति का ध्यान कीजिए, जिसने दुनिया का यह सब खेल रचाया है। उसकी प्रातः-सायं वन्दना करके अपना इहलोक और परलोक सुधार लीजिए। परंतु जिन्हें न अपने इहलोक की चिंता है, और न परलोक की, वे लोग तो कभी न सुधरने वाले अपने काम में लगे हैं। देश और दुनिया में भूकम्पों के बाद चक्रवाती तूफान, फिर फसलों पर टिड्डी दलों का हमला। ऊपर आसमान में कभी महा सूर्य ग्रहण लगता है और कभी चन्द्रग्रहण। बन्धुवर, सूर्य, चांद और ग्रहों की चाल भांप कर 'कल, आज और कल' का हाल बताने वाले भविष्यवक्ता पैदा हो गए। अब इनकी कही बात सही हो तो जैसी राम की इच्छा साब। भरपूर कलियुग आ गया। सीधे चलो तो भी टेढ़ा रास्ता मिलता है। कल क्या होगा साब, कौन जानता है। बीते सालों में मजदूर लाखों की तादाद में अपने कार्यस्थलों के शहरों को छोड़ अपने गांव, घरों की ओर चल दिए थे। पैदल, साइकिल या रेलों और बसों में लदे-फदे, पेट के लिए दो रोटी, हाथ के लिए काम की तलाश में। आज देखो वही लोग अपने पुश्तैनी घरों के खण्डहरों से घबरा कर वापस शहरों की ओर लौट आए। सवाल तो दो रोटी का है साब। जहां मिल जाए वहीं गनीमत। तुम पूछते हो इनके लिए काम के दौरान सुरक्षा उपकरण कहां हैं? मुसीबतों का मुकाबला कैसे होगा? प्रश्न समयोचित है, इन्हें तत्काल सुरक्षा मिलनी चाहिए। लेकिन इनके लिए दो रोटी और आधे-अधूरे काम का बंदोबस्त भी तो कर दो।

देश दुनीया से

दुनिया रैन बसेरा...

नेस्तनाबूद करने निकले सिकंदर को 'महान' बना डाला है, लेकिन सच्चाई यह है कि वह सारी उम्र अपनी ताकत और शोहरत की हवस को पूरा करने के लिए लाखों लोगों को कत्ल करता रहा, औरतों को विधवा बनाता रहा, बच्चों को अनाथ करता रहा और हारे हुए राजाओं से लूटे हुए धन से अपने खजाने भरता रहा। फिर आया वो समय जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी। सिकंदर बीमार हुआ और मौत के कगार पर पहुंच गया। उसे तब अपनी मूर्खता का एहसास हुआ कि जिस ताकत, शोहरत और दौलत के लिए उसने अपनी सारी जिंदगी गंवा दी थी, वही सब कुछ अब उसके किसी काम नहीं आ रहा था। अपनी इसी मूर्खता को दुनिया को समझाने के लिए उसने अपने दोनों हाथ अपने कफन से बाहर रखवाए थे।

कुछ नासमझ इतिहासकारों ने विश्वविजेता बनने का ख्वाब लेकर दुनिया भर को नेस्तनाबूद करने निकले सिकंदर को 'महान' बना डाला है, लेकिन सच्चाई यह है कि वह सारी उम्र अपनी ताकत और शोहरत की हवस को पूरा करने के लिए लाखों लोगों को कत्ल करता रहा, औरतों को विधवा बनाता रहा, बच्चों को अनाथ करता रहा और हारे हुए राजाओं से लूटे हुए धन से अपने खजाने भरता रहा। फिर आया वो समय जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी। सिकंदर बीमार हुआ और मौत के कगार पर पहुंच गया। उसे तब अपनी मूर्खता का एहसास हुआ कि जिस ताकत, शोहरत और दौलत के लिए उसने अपनी सारी जिंदगी गंवा दी थी, वही सब कुछ अब उसके किसी काम नहीं आ रहा था। अपनी इसी मूर्खता को दुनिया को समझाने के लिए उसने अपने दोनों हाथ अपने कफन से बाहर रखवाए थे। सिकंदर ने अपने पिता की मृत्यु के बाद अपने सौतेले और चचेरे भाइयों का कत्ल करके मेसेडोनिया के सिहांसन को हथिया लिया। विश्वविजेता बनने के ख्वाब को पूरा करने के लिए उसने इरान पर आक्रमण किया। ईरान को जीतने के बाद गोर्दियास को जीता और फिर टायर को नष्ट कर दिया। सिकंदर इतना क्रूर था कि बेबीलोन को जीत कर पूरे राज्य में आग लगवा दी और फिर अफगानिस्तान को रौंदता हुआ भारतवर्ष में सिंधु नदी तक चढ़ आया। सिकंदर को लगता था कि भारत में कहीं कोई ऐसी जड़ी-बूटी मिलती है जिसके सेवन से भारत के लोगों की आयु बढ़ जाती है। आखिरकार जब वह बीमार हुआ और मौत की दहलीज पर जा पहुंचा तो उसे जीवन की असलियत का भान हुआ और उसने अपनी तीन आखिरी इच्छाएं जाहिर कीं। सिकंदर की पहली इच्छा थी कि जिन हकीमों ने उसका इलाज किया है, वो सब उसके जनाजे को कंधा दें ताकि सारी दुनिया को पता चल सके कि बीमारियों का इलाज करने वाले हकीम भी मौत के आगे बेबस हैं, वो हार जाते हैं, मौत जीत जाती है। उसकी दूसरी इच्छा थी कि जनाजे की राह में वो सारी दौलत बिछा दी जाए जो उसने जिंदगी भर इक_ा की थी ताकि सबको ये पता चले कि जब मौत आती है तो दौलत जरा भी काम नहीं आती, और उसकी आखिरी तीन इच्छाओं में से तीसरी इच्छा थी कि जब उसका जनाजा निकाला जाए तो उसकी दोनों हथेलियां बाहर की ओर लटका दी जाएं ताकि लोगों को पता चले कि इनसान धरती पर खाली हाथ आता है और उसे खाली हाथ ही जाना पड़ता है। हमारे ऋषि-मुनि, संत, मनीषी और बाकी सभी ज्ञानी जन हमें समझाने की कोशिश करते हैं कि ये दुनिया रैन बसेरा है, बस एक सराय है जिसमें हम एक यात्री के रूप में कुछ समय के लिए आए हैं। यह हमारा स्थायी निवास नहीं है। ये सारे मनीषी एकमत से हमें यही समझाने की कोशिश करते हैं कि हम खाली हाथ आए थे और खाली हाथ ही जाएंगे। इन बातों में बहुत गहराई है और अगर हम अपने जीवन में सच्ची शांति चाहते हैं तो हमें इन बातों के मर्म को समझना होगा। ऋषियों, मुनियों ने जो कहा, सच कहा, अपने ज्ञान और अनुभव से कहा, लेकिन उसका भावार्थ समझे बिना अगर हम उनकी बातों की व्याख्या करेंगे तो हम उल्टी राह चल रहे होंगे। दरअसल, इस दुनिया में हम न तो खाली हाथ आते हैं और न ही दुनिया से जाते वक्त हमारे हाथ खाली होते हैं। मृत्यु के समय हमारा शरीर मर जाता है, इस शरीर के साथ जुड़े हुए ये हाथ सचमुच खाली होते हैं, लेकिन चूंकि हमारा सिर्फ भौतिक शरीर ही मरता है, हम इस जन्म के अपने कर्मों का खजाना साथ लेकर जाते हैं। इसी तरह, जब हमने जन्म लिया था तो हमारे पिछले जन्मों के संस्कार और कर्मफल हमारे साथ आए थे। हमारे पिछले कर्मों के फल इस जीवन में हमारा भाग्य बन जाते हैं और इस जीवन के कर्मों के फल को प्रभावित करते हैं। यही कारण है कि बहुत बार हमारे बनते काम आखिर में किसी छोटे से कारण से भी बिगड़ जाते हैं और बिगड़े हुए काम भी अचानक बन जाते हैं। यह भाग्य का नहीं, कर्मों के फल का खेल है। जब हमारे ऋषियों, मुनियों ने दुनिया को रैन बसेरा करार दिया तो उनका आशय था कि हम समय की कीमत समझें, इस जीवन की कीमत समझें और इस युग की कीमत समझें। यहां तीन बातें समझने वाली हैं। पहली बात, समय की कीमत। दूसरी बात, जीवन की कीमत, और तीसरी बात, युग की कीमत। कहा जाता है कि कलियुग में भक्ति सबसे ज्यादा आसान है। बहुत थोड़े से समय की निश्छल भक्ति भी हमें जीवन-मरण के चक्र से मुक्त कर देने में समर्थ है। यह इस युग की कीमत है, कलियुग की सुविधा है। यह हुई तीसरी बात, यानी, युग की कीमत। जीवन की कीमत का अर्थ है कि मनुष्य जन्म अकेली ऐसा योनि है जिसमें हम पिछले जन्मों के कर्म का फल तो भोगते ही हैं, पर साथ में हम नए कर्म करने के लिए भी स्वतंत्र हैं। हमारे पिछले जन्मों का लेखा-जोखा तो है ही, जिसके कारण हमारा भाग्य प्रभावित होता है, पर हम इस जन्म के कामों से उनका हिसाब-किताब यहीं चुकता कर सकते हैं। पशु-पक्षियों, कीट-मकोड़ों और जल अथवा थल के किसी और जीवन को यह सुविधा प्राप्त नहीं है कि वह नए कर्म कर सके।

आप का नजरीया

आपदा का बंटवारा

बेहोश निगाहों के सदमों में भी अगर नजरिया बदल दें, तो वक्त के कठोर पन्नों पर फिर से दस्तख्त हो सकते हैं। कुछ इसी दौर की परीक्षा में हिमाचली स्वावलंबन के चिन्ह, केंद्र से मुखातिब हैं, जहां प्रदेश से केंद्रीय मंत्रालयों की रगड़ में जगत प्रकाश नड्डा के सरोकारों पर बहस जारी है। नड्डा ने राज्य की कांग्रेस सरकार को बता दिया है कि केंद्र के बिना हिमाचल बौना है, तो इधर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू राज्य के अधिकारों पर कुछ और पन्ने जोड़ रहे हैं। राष्ट्रीय नीतियों के नेत्र पहाड़ी राज्यों के पैमानों पर अब बिलकुल भी खरे नहीं उतर रहे हैं। वित्त आयोग के पास हिमाचल के आवेदन जिस तरह के सलूक से आजिज हैं, उसी के परिप्रेक्ष्य में पहाड़ ठगा सा महसूस कर रहा है। आश्चर्य है कि डिजास्टर रिस्क इंडेक्स ने पर्वतीय प्राकृतिक हिफाजत के बाजू तोड़ डाले हैं। यानी जहां देश के बादल मुस्तैदी और तीव्रता से बरसते हैं। जहां से निकली नदियां समुद्र बनती हैं। जहां बादलों के झुरमुट से देश की खुशहाली का पैगाम निकलता हो, उसी पहाड़ का दर्द समझने, मानने और अपनाने को केंद्र तैयार नहीं है। यह देश की उत्तर दिशा को कमजोर करने का सबब है या तमाम पहाड़ी राज्यों की आंखों से आर्थिक सुरमा चुराने की कोशिश है, जो हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रदेशों का मर्म नजरअंदाज किया जा रहा है। केंद्र की नीयत सही होती या आपदा प्रबंधन की तासीर में टूटते-फूटते बादलों का कहर सुना जाता, तो अगले पांच सालों की हिफाजत के लिए 9250 करोड़ उपलब्ध हो जाते। यहां मैदानी साइक्लोन के मुकाबले लैंडस्लाइड पर गिरी प्राकृतिक आपदा की शिनाख्त और नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र का रवैया और उसूल उपेक्षापूर्ण हैं। यानी देश की हवाओं-घटाओं की उग्रता को हम सहें। बर्फानी तूफानों को हम झेलें। पर्यावरणीय संतुलन के लिए सत्तर फीसदी जमीन को जंगल के नाम कर दें और यह भूल जाएं कि भारी बरसात में दरकते पहाड़ों का दर्द क्या होता है। पहाड़ी राज्यों की अहमियत को अतीत में समझा गया इसलिए विशेष वित्तीय दर्जा मिला और केंद्रीय वित्तपोषण 90:10 दर से पर्वतीय अस्मिता का प्रतीक बन गया, लेकिन अब इसकी भी कतरब्यौंत जारी है। पहाड़ न विकास का मॉडल बना और न ही आर्थिक आधार का, बल्कि अब आपदा भी बंट गई। ऐसे में जम्मू-कश्मीर से अरुणाचल प्रदेश तक की हिमालयी पट्टी में बसे तमाम पर्वतीय राज्यों के तकरीबन तीन दर्जन सांसद अगर आवाज उठाएं तो इन इलाकों के दर्द को भी समझा जाएगा। पर्वतीय राज्यों के अस्तित्व के लिए वित्तीय अधिकार तथा आर्थिक निर्भरता बहुत आवश्यक है। ऐसे में आवश्यक यह है कि एक पृथक 'पर्वतीय विकास मंत्रालय' बनाया जाए। इसके तहत पर्वतीय राज्यों के प्राकृतिक संसाधनों के एवज में माकूल रॉयल्टी का निष्पादन, पर्यावरणीय संरक्षण के बदले इसकी आर्थिक भरपाई तथा केंद्रीय योजना प्रारूप में विशेष पैकेज और मानदंड स्थापित करना।

राइजिंग राजस्थान से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राइजिंग राजस्थान के संबंध में आर्थिक क्षेत्र के प्रबुद्धजनों के साथ बैठक

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट से राजस्थान में उद्योगों को एक नई दिशा मिलेगी तथा सभी के सहयोग से इस समिट को सफल बनाते हुए राज्य में निवेश का सकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान के संबंध में आर्थिक क्षेत्र के प्रबुद्धजनों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में विपुल प्राकृतिक संसाधन की उपलब्धता के चलते निवेश की अपार संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के एमओयू धरातल पर नहीं उतरे। हमने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान समिट करने का निर्णय लिया है जिससे प्रदेश उद्योगों के क्षेत्र में अग्रणी बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीए-सीएस सहित अन्य प्रोफेशनल्स राज्य की बड़ी ताकत हैं। इन प्रोफेशनल्स की विश्वसनीयता रहती है तथा ये सरकार व उद्यमियों के हित में काम करते हैं। उन्होंने आशा जताई कि प्रोफेशनल्स राज्य को निवेश का हब बनाने तथा अधिक से अधिक निवेश लाने में अपनी महती भूमिका निभाएंगे। शर्मा ने कहा कि राजस्थान के सीए और सीएस अपनी काबिलियत के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थानी जहां भी रहते हैं, खुशहाली लाते हैं, आगे बढ़ते हैं और सभी को आगे बढ़ाते हैं। राजस्थानी प्रत्येक जगह पर अपनी कर्मठता से पहचान बनाते हैं। शर्मा ने कहा कि बिजली, पानी तथा आधारभूत संरचना का योजनाबद्ध तरीके से विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए राज्य सरकार ने बिजली के क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपए के एमओयू किए गए हैं, जो हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी असीमित संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में 53 हजार किलोमीटर सड़क नेटवर्क और नौ ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेस वे विकसित करने की योजना भी बनाई गई है, जिनसे निवेशकों को और अधिक अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग और

सेवा क्षेत्र भी प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान को सफल बनाने के लिए हमारी टीम दिन-रात काम में जुटी हुई है। हमने नवनियुक्त आईएएस ऑफिसर को आयोजन के लिए नियुक्त किया है। साथ ही, देशभर में राजस्थान मूल के आईएएस अफसर, भूतपूर्व आईएएस अफसरों सहित सभी वर्गों से भी इस आयोजन को सफल बनाने को लेकर चर्चा की जा रही है। बैठक में आए उद्योगपतियों एवं प्रोफेशनल्स ने कहा कि राज्य में निवेश को बढ़ाने के लिए हम सभी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहभागिता करेंगे तथा आयोजन को सफल बनाते हुए राज्य में निवेश लाने में पूरा सहयोग करेंगे। उद्योगपतियों ने युवाओं में उद्योग परक कौशल प्रशिक्षण बढ़ाने, फिनटेक को प्रोत्साहित करने, निवेश को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों का उपयोग, स्टार्ट अप को प्रमोट करने, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव दिए। इस दौरान खनन, रियल एस्टेट, हैंडीक्राफ्ट, सीए, मेडिकल डिवाइस, शिक्षा, फर्नीचर सहित विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगपतियों ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में मशहूर उद्योगपति टाटा समूह के चेयरमैन स्व. रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोडा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के चेयरमैन आई सी अग्रवाल, एआरजी ग्रुप के चेयरमैन आत्मा राम गुप्ता, सीएस इन्स्टीट्यूट के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. श्याम अग्रवाल, सीए इन्स्टीट्यूट के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गोयल, गोलचा ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन विक्रम गोलचा, महर्षि अरविंद यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर संजय पाराशर, पॉली मेडिकेयर के अध्यक्ष विशाल बैद, मर्चेन्ट बैंकर अशोक होलानी, सीए नरेंद्र मित्तल, सीए प्रकाश शर्मा, सीए पीपी पारीक सहित विभिन्न उद्योगपति एवं सीए-सीएस मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्रि के आठवें दिन की गई माता महागौरी की पूजा-अर्चना

किशनगंज (हिंस)। शारदीय नवरात्रि के आठवें दिन को महाअष्टमी भी कहते हैं। मां दुर्गा के नौ रुपों में महागौरी की पूजा का विशेष महत्व है। इस स्वरूप को कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान करने वाली, समृद्धि और सुख का वरदान देने वाला माना जाता है। मान्यता है कि मां की पूजा-अर्चना से सुख-शांति, यश, वैभव और मान-सम्मान प्राप्त होता है। गुरुवार को मां दुर्गा के साधक पंडित मनोज मिश्रा ने बताया कि महाअष्टमी के दिन महागौरी की पूजा होती है। वह भगवान शिव की अर्द्धांगिनी है, इसलिए उनकी उपासना से महादेव का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। सुंदर, अति गौर वर्ण होने के कारण इन्हें महागौरी भी कहा जाता है। महागौरी की आराधना से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। समस्त पापों का नाश होता है। सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती और हर मनोकामना पूर्ण होती है। मान्यता है कि इन नौ दिनों में मां दुर्गा को विशेष भोग भी लगाया जाना चाहिए। यदि ये भोग मां दुर्गा को नहीं लगे तो नवरात्र को पर्व अधूरा माना जाता है। पंडित मनोज मिश्रा ने कहा कि महाअष्टमी तिथि की शुरुआत दोपहर 12 बजकर 29 मिनट से होगी और 11 अक्तूबर को 12 बजकर 3 मिनट पर समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि महागौरी की पूजा के लिए भक्तों को बह्म मुहूर्त में उठकर स्नान से निवृत्त होना चाहिए। सफेद रंग के वस्त्र पहनकर घर के मंदिर को साफ कर गंगाजल से शुद्ध करना चाहिए।

मुद्दों पर बात करे भाजपा, लड्डू-जलेबी में कुछ नहीं रखा : पायलट

अजमेर (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में मुद्दों पर बात नहीं कर लड्डू-जलेबी में उलझी है। इसमें कुछ नहीं रखा है। यहां मुख्यमंत्री को खुलकर काम करने की छूट नहीं है तथा मंत्री को पता नहीं वे मंत्री है या नहीं। पायलट गुरुवार को अजमेर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन दस महीने में प्रदेश में व्यवस्थाएं बिगड़ गई है। भाजपा को खाद-बीज, पानी बिजली सड़क व शिक्षा जैसे मुद्दों पर बात करनी चाहिए। इन लड्डू-जलेबी में कुछ नहीं रखा। पायलट पुष्कर व किशनगढ़ के सामाजिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद अजमेर के सर्किट हाउस में पहुंचे थे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। पायलट ने कहा कि सरकार में कुछ भी ठीक नहीं। अफसरशाही हावी है।

सत्ता के कई केंद्र बने हुए है। सत्ता व संगठन एक मत नहीं होकर कन्यफ्यूज है। मंत्री इस्तीफा देकर बैठे है और पता नहीं कि वे मंत्री है या नहीं। मुख्यमंत्री को खुलकर काम करने की छूट नहीं है। विकास के लिए बजट आवंटन नहीं हो रहा है। इसका खामियाजा जनता को उठाना पड़ रहा है। जिले के सवाल पर पायलट ने कहा कि निर्णय तो सरकार ले नहीं पा रही। जो भी निर्णय ले, जनता के हित में लेना चाहिए। पिछली सरकार ने जो भी काम किए, उसे बेहतर नहीं कर सकते तो उसे बंद नहीं करना चाहिए। सरकार को अपना हित साधने के बजाय जनता के काम करने चाहिए। हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर पायलट ने कहा कि सारे अनुमान, उम्मीद, सर्वे, फीडबैक जिस दिशा में संकेत करता था, उसके अनुरूप परिणाम नहीं आया। जो पूरे देश में सर्वसम्मति से मानते थे कि यहां हम सरकार बनाएंगे। जब अचानक परिणाम बदले तो भाजपा को बढ़त मिली। इलेक्शन कमीशन को कुछ लिखित शिकायतें दी गई हैं। लेकिन यह बात सच है कि उम्मीद से बिल्कुल विपरीत परिणाम आए। सभी लोग मानते थे कि दस साल से जो सरकार थी, उससे न तो जनता खुश थी और न भाजपा। यही कारण रहा कि नौ साल बाद मुख्यमंत्री बदला गया। इन परिणामों की कांग्रेस समीक्षा करेगी। जम्मू कश्मीर में जो गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला। वहां पर भी अड़चनें लगाई गई, लेकिन लोगों ने समझदारी की और सरकार बनाई। वहां सरकार बनाएंगे और विकास के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे। यहां एक नई शुरुआत होगी। प्रदेश में सात सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर पायलट ने कहा कि कांग्रेस पहले से ही तैयारी कर चुकी है और एकजुट होकर चुनाव लड़ेगे। सभी सीटों पर कांग्रेस अपनी जीत दर्ज करेगी। जब कांग्रेस पब्लिक में जाएगी तो जनता उसे ही वोट देगी। हरियाणा में चुनावी परिणाम का राजस्थान में कोई असर नहीं होगा। यह अलग स्टेट है और यहां के अलग मुद्दे परिस्थितियां है। यहां जनता कांग्रेस को वोट देगी। हरियाणा में कांग्रेस को 40 प्रतिशत वोट मिले और कांग्रेस का वोट प्रतिशत बढ़ा। कांग्रेस को जो करना है, करेंगी और पूरे जज्बे के साथ आगामी चुनाव लड़ेगे।

भारतीय उद्योग जगत ने एक अनमोल सितारा खो दिया : गणेश केसरवानी

प्रयागराज (हिंस)। भारतीय जगत के शीर्ष उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को सिविल लाइन पार्टी कार्यालय में शोक संवेदना व्यक्त कर ईश्वर से उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान देने की कामना की। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि रतन टाटा भारतीय उद्योग जगत के एक ऐसे रत्न थे जिन्हें सदियों तक याद किया जाएगा। उनके निधन से भारत ने अपना एक अनमोल सितारा खो दिया। महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि पद्म

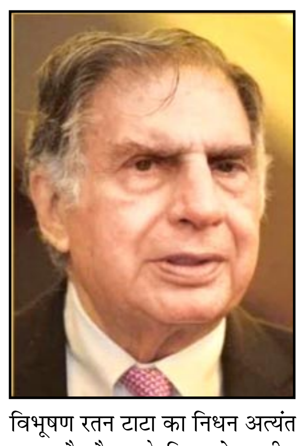

विभूषण रतन टाटा का निधन अत्यंत दु:खद है और उनके निधन से भारतीय उद्योग जगत की अपूरणीय क्षति हुई है। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उद्योग जगत के महानायक रतन टाटा का जीवन देश के औद्योगिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास को समर्पित रहा। वे देश के सच्चे रत्नों के रत्न थे। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में कुंज बिहारी मिश्रा, वरुण केसरवानी, रईस चंद्र शुक्ला, रमेश पासी, विवेक अग्रवाल, विवेक मिश्रा, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, प्रमोद मोदी, राघवेंद्र सिंह, प्रशांत शुक्ला, अजय अग्रहरि, शत्रुघ्न जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलन, वक्ता बोले, पंच परिवर्तन समाज की जरूरत

दौसा (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस विजयादशमी के उपलक्ष्य में दौसा जिले के सिकराय व मानपुर कस्बे में स्वयंसेवकों द्वारा पथ संचलन निकाया गया। स्वयंसेवकों ने घोष की धुन पर कदमताल करते हुए अनुशासन व सामूहिकता का संदेश दिया। एवीएम स्कूल में आयोजित विजयादशमी उत्सव पर संघ के विभाग प्रचार प्रमुख गणपतलाल ने कहा कि हिंदू समाज का संगठन करने के उद्देश्य को लेकर साल 1925 में डॉ केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में संघ की स्थापना की थी। जिसके बाद पूरे देश भर में संघ का विस्तार हुआ और आज वटवृक्ष बन गया है। स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिदिन एक घंटे की शाखा लगाने के साथ समाज के अभावग्रस्त बंधुओं

के उत्थान के लिए अनेकों सेवा कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रहित सर्वोपरि भाव के साथ काम कर रहे हैं। देश व समाज के सामने आज कई चुनौतियां खडी हैं। उनका समाधान करना सिर्फ शासन की ही जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए समाज को भी एकजुट होकर आगे आना होगा। प्रचार प्रमुख ने कहा कि समाज को पंच परिवर्तन अपने व्यवहार में लाना होगा। जिसमें सामाजिक समरसता, पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली, पारिवारिकता को बढ़ावा देने के लिए परिवार जागृति पर जोर देना, जीवन के सभी पहलुओं में भारतीय मूल्यों पर आधारित *स्व* की भावना पैदा करना और नागरिक कर्तव्यों के पालन के लिए सामाजिक जागृति शामिल है। इसके बाद सिकराय कस्बे में पथ संचलन आदर्श विद्या मंदिर स्कूल से रवाना होकर प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए वापस एवीएम स्कूल पहुंचा। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और भारत माता के जयकारे लगाए। कार्यक्रम के दौरान शस्त्र पूजन कर शक्ति की आराधना की गई। इसके बाद स्वयंसेवकों ने मानपुर कस्बे के प्रमुख रास्तों से पथ संचलन निकाला।

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का होना भी अत्यंत आवश्यक : विनोद छोकर

हिसार (हिंस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने कहा है कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का होना भी अत्यंत आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य से ही शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर गुरुवार को विश्वविद्यालय में अप्लाइड साइकोलॉजी विभाग की ओर से विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ संजय कुमार परमार ने की। कुलसचिव ने कहा कि हमें शुरुआत से ही बच्चों की मानसिक गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए ताकि समय रहते बच्चों में आने वाली मानसिक समस्याओं को समझ सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सभी पहलुओं से अवगत करवाया। डा. संजय कुमार ने बताया कि इस एक दिवसीय आयोजन में मानसिक स्वास्थ्य पर एक पेनल डिस्कशन का आयोजन किया गया। पेनल डिस्कशन में हरियाणा केंद्रीय मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. पायल कंवर चंदेल, विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर काउंसलिंग एंड वैल बींग के निदेशक प्रो. संदीप राणा, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के

निदेशक प्रो. सुनीता रानी पेनेलिस्ट के रूप में उपस्थित रहे। तीनो पेनलिस्ट ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सभी मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की तथा बताया कि किस प्रकार मानसिक स्वास्थ्य मनुष्य के लिए आवश्यक है तथा इसे कैसे बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए तथा वर्क लाइफ बैलेंस और वर्क प्लेस हरासमेंट के बारे में विस्तार से बताया। विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया। इस नाटक के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।

कांग्रेस प्रवक्ता सुमन मल्लिक का रतन टाटा को भारत रत्न दिए जाने की मांग

अररिया (हिंस)। कांग्रेस प्रवक्ता सुमन कुमार मल्लिक ने उद्योगपति और टाटा संस के चेयरमैन रतन नवल टाटा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग की। मल्लिक ने कहा की उनके असामयिक निधन से केवल भारतीय उद्योग को ही नहीं बल्कि पूरे देश को गहरा सदमा हुआ है। श्री मल्लिक ने कहा की उन्होंने अपना पूरा जीवन देश के लोगों के बेहतरी के लिए समर्पित किया था। उन्होंने कहा की मानवता को सबसे बड़ी दौलत मानने वाले स्व. रतन टाटा जी समस्त देशवासियों के हृदय में सदैव जीवित रहेंगे और उनके निधन से देश के उद्योगजगत के एक युग का अंत हो गया। मल्लिक ने कहा की स्व. टाटा देश के हितों को प्राथमिकता देने वाले एकमात्र उद्योगपति थे।

अष्टमी के मौके पर आरएसएस ने शस्त्रों की पूजा कर किया नगर भ्रमण

नवादा (हिंस)। स्थानीय रजौली संगत के प्रांगण में आरएसएस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा दुर्गा अष्टमी के मौके पर अपने-अपने अस्त्र-शस्त्रों की पूजा कर नगर भरमन किया। इस मौके पर खंड प्रमुख दिलीप कुमार ने बताया कि पिछले कई दशकों से आरएसएस का यह कार्यक्रम स्वयंसेवकों के द्वारा किया जा रहा है। वही इस मौके पर महंत दयानंद मुनि ने अपने बौद्धिक कार्यक्रम के तहत आरएसएस के स्वयंसेवकों को आज की महत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी दिए। उन्होंने कहा कि धर्म पर धर्म की जीत असत्य पर सत्य की जीत होने के पश्चात महिषासुर मर्दिनी के खड़क व अस्त्र शस्त्रों की पूजा की जाती है। शास्त्रों की पूजा के पश्चात रजौली संगत से नगर भ्रमण किया गया। नगर भ्रमण बीच बाजार होते राज शिव मंदिर पहुंचकर वहां से पुण: रजौली संगत आकर समापन किया गया। इस मौके पर आरएसएस के अनिल हार्डवेयर, रजौली संगत के महंत निशांत दास, दिलीप कुमार दीप, समाजसेवी प्रमोद चंद्रवंशी, बबलू कुमार घड़ी कंपनी, विमल राजवंशी, सरवन कुमार टिंचू, संजय कुमार, धीरज कुमार सोनी, रुद्र प्रताप, विजय आर्य, फंटूश कुमार, पवन पांडे आदि मौजूद थे।

पार्टी में हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या

जोधपुर (हिंस)। एक पार्टी में हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली मारने वाला भी आदतन अपराधी व हिस्ट्रीशीटर है। शव को बावड़ी के सरकारी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतक के परिजन और समर्थक मोर्चरी के बाहर आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। ऐसे में पुलिस ने अतिरिक्त जाब्ता तैनात करवाया है। घटना बावड़ी क्षेत्र में बुधवार रात की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों हिस्ट्रीशीटर के बीच दुश्मनी नहीं थी। ऐसे में पिस्टल से गोली गलती से चली या फायर किया गया, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। खेड़ापा थानाधिकारी लाखाराम ने बताया कि थाना क्षेत्र के बावड़ी कस्बे के एक मकान में बुधवार रात हिस्ट्रीशीटर गेमाराम जाट और सुखराम जाट अपने साथियों के साथ पार्टी कर रहे थे। दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस दौरान सुखराम जाट ने अपनी पिस्टल से फायर कर दिया। गोली सीधे गेमाराम जाट की कनपटी में जाकर लगी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार चला रही अनेकों योजनाएं : जय प्रकाश रावत

हरदोई (हिंस)। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनांतर्गत जनपद स्तरीय किसान मेला का आयोजन गुरुवार को सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केंद्र बिलग्राम चुंगी में किया गया। मुख्य अतिथि सांसद जय प्रकाश रावत ने अपने सम्बोधन में किसान भाईयों को देश की अर्थव्यवस्था एवं खुशहाली में योगदान के लिए आभार प्रकट किया गया। सासंद ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए अनेकों योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा विभिन्न फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया है। कृषि विभाग में किसानों की आमदनी में वृद्धि के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही। किसान भाई श्रीअन्न मिलेट्स (ज्वार, बाजरा, कोदो, रागी, सावां आदि) को जरूर उगाए। इसकी खेती में सिंचाई एवं उर्वरक की कम आवश्यकता पड़ती है। सांसद ने किसानों के हित में

आयोजित किसान मेला के लिए कृषि विभाग की सराहना की। इस अवसर पर इनसीटू योजनान्तर्गत कमलाकान्त पुत्र श्री रामखेलावन निवासी ग्राम जयराजपुर विकास खंड टड़ियावां को ट्रैक्टर की चाभी भी वितरित की। कृषक जसोदा, रामसागर, रामचन्द्र, जीवन, रामबाबू, रहीश, नरेश कुमार, नत्थू लाल, अनिल कुमार, एवं श्री आकाश को राई/सरसों बीज के नि:शुल्क मिनीकिट वितरित किए गए। माधवेन्द्र प्रताप सिंह (रानू) विधायक सवायजपुर ने कार्यकम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों में आये वैज्ञानिक द्वारा बताई गई उन्नत कृषि तकनीकी द्वारा ही अपनी खेती करें। साथ ही अपने आस-पास लोगों को उन्नत कृषि तकनीकी के बारे में बताये। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए अनेकों योजनाएं चलाई जा रही है। किसान भाई विभागों से सम्पर्क कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ प्राप्त करें। कृषि विभाग द्वारा अनुदान पर वितरित किए जा रहे कृषि यंत्रों एवं सोलर पम्प का लाभ प्राप्त कर अपनी खेती की लगात को कम करके अधिक आय प्राप्त करें। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने किसानों से कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में एवं उनकी आय में बढ़ोत्तरी के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पूरे पारदर्शी तरीके से किसानों को प्राप्त हो रहा है। डॉ. नंद किशोर उप कृषि निदेशक ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, नि:शुल्क मिनीकिट बीज वितरण, सोलर पम्प योजन, फसल अवशेष प्रन्धन हेतु अनुदान पर वितरित कृषि यंत्रो की योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, तिलहनी/दलहनी फसलों की उन्नत किस्मों, खेती की उन्नत तकनीकी और नवीनतम शोध के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसान भाइयों को यह बताया कि किसान अपनी फसल की बुवाई लाईन से करें तथा फसल की प्रथम सिंचाई 21 दिन बाद करें। उन्होंने किसान भाईयों से अपील की कि पराली दो, खाद लो योजनान्तर्गत वह अपने खेत में फसल अवशेष (पराली) न जलाए और पराली को अपने नजदीकी गौशालाओं में दान कर गोबर की खाद प्राप्त करें। डॉ. त्रिलोकी नाथ राय वैज्ञानिक केवीके सण्डीला द्वारा किसान भाइयों को मृदा स्वास्थ्य के विषय में चर्चा करते हुए मृदा परीक्षण की सलाह दी। डॉ. डीबी सिंह, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र, हरदोई द्वारा किसान भाइयों को फसलों से संबंधित कीट एवं रोग नियंत्रण मोटे अनाज की फसलों के बारे में चर्चा की गई। इस दौरान देव जादूगर एवं कटपुतली संचालक द्वारा किसानों को मृदा परीक्षण कर संतुलित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग के लिए, फसल अवशेष में आग न लगाने, लाइन से बुवाई करने के लिए किसानों को प्रेरित किया।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, 760 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, सिल्वर की चमक भी घटी

नई दिल्ली।

नवरात्रि के दौरान घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट लगातार जारी है। सोना की कीमत में 700 से 760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के अधिकांश सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77 हजार के स्तर से नीचे गिर कर 76,830 रुपये से लेकर 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 70,440 रुपये से लेकर 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 93,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 76,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 76,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 76,730 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 76,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गिरावट आने की वजह से सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 76,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अदाणी समूह के सात हवाई अड्डों पर थालेस लगाएगी स्मार्ट डिजिटल मंच

मुंबई । थालेस अदाणी समूह के परिचालन वाले सात भारतीय हवाई अड्डों पर एक स्मार्ट डिजिटल मंच की तैनाती करेगी। यह मंच हवाई अड्डे के समग्र प्रबंधन, सुरक्षा और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सभी जरूरी अनुप्रयोगों को केंद्रीय रूप से संभालेगा। थालेस और अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है नयी दिल्ली । यूरोपीय कंपनी थालेस अदाणी समूह के परिचालन वाले सात भारतीय हवाई अड्डों पर एक स्मार्ट डिजिटल मंच की तैनाती करेगी। यह मंच हवाई अड्डे के समग्र प्रबंधन, सुरक्षा और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सभी जरूरी अनुप्रयोगों को केंद्रीय रूप से संभालेगा। बुधवार को जारी बयान के मुताबिक, थालेस और अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इसमें थालेस को सात हवाई अड्डों- मुंबई, अहमदाबाद, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, मंगलुरु और तिरुवनंतपुरम में नवोन्मेषी हवाई अड्डा संचालन नियंत्रण केंद्र (एपीओसी) तैनात करने का अनुबंध मिला है। बयान के मुताबिक, थालेस की तरफ से हवाई अड्डों पर लगाया जाने वाला क्लाउड-आधारित 'स्मार्ट डिजिटल मंच' हवाई अड्डे के समग्र प्रबंधन, सुरक्षा और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सभी जरूरी अनुप्रयोगों को केंद्रीय रूप से संभालेगा।

ओला के बाद एथर एनर्जी के ई-स्कूटर्स की सर्विस से परेशान हुए ग्राहक

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर ओला इलेक्ट्रिक की खराब सर्विस को लेकर ग्राहकों की ओर से लगातार शिकायतों के बाद अब इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी एथर एनर्जी के ई-स्कूटर्स (इलेक्ट्रिक स्कूटर्स) को लेकर सोशल मीडिया पर ग्राहकों की शिकायतों की बाढ़ आ गई है। एथर के ग्राहकों ने कंपनी की हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर सर्विस को लेकर शिकायतें दर्ज करवाई हैं। कंपनी की डिलीवरी सर्विस को लेकर भी देरी की शिकायतें हैं। कंपनी ने एक्स हैंडल पर इन शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए इशू को जल्द से जल्द सुलझाने की बात कही है। हाल ही में एक एथर ई-स्कूटर ग्राहक ने एक्स पर पोस्ट किया 14 सितंबर को 10,000 ओडोमीटर के लिए सर्विसिंग की गई, स्कूटर में कई समस्याएं थी, स्टॉक स्पेयर नहीं होने की बात कहकर इस परेशानी की ओर ध्यान नहीं दिया गया। कंपनी को शिकायत की गई तो जांच के लिए स्कूटर छोड़ने का सुझाव दिया गया, इसलिए 3 अक्टूबर को वापस लौटाया गया। कल स्कूटर की फोर्क के साथ डिलीवरी की गई, चाबी का स्लॉट बदला गया। लेकिन फिटिंग अधूरी थी। एक दूसरे ग्राहक ने कहा कि एथर एनर्जी मुझे अपने 450एक्स में समस्या आ रही है। 2 दिनों से जब मैं थ्रॉटल बंद करता हूं, तो वाहन तुरंत धीमा हो जाता है। पहले ऐसा नहीं होता था। कृपया मेरी सहायता करें कि क्या यह सॉफ्टवेयर समस्या है या मुझे सर्विस सेंटर जाना चाहिए। कंपनी के एक अन्य ग्राहक ने कहा कि आपकी इंदौर सिटी सेवाएं खराब हैं और कर्मचारी अहंकारी हैं, जो शिकायतों पर ध्यान नहीं देते हैं। पार्ट्स उपलब्ध नहीं हैं, मेरा वाहन 4 कार्य दिवसों के लिए सर्विस में है। एक अन्य यूजर ने पोस्ट किया कि एथर एनर्जी, मैं कल से अपने एथर 450एक्स की अपडेट स्क्रीन पर अटका हुआ हूं।

रतन टाटा के निधन से उद्योग जगत में शोक की लहर

मुंबई/नई दिल्ली। देश के उद्योगपति अनमोल रतन टाटा के निधन से उद्योग जगत में शोक की लहर है। बुधवार रात करीब 11: 00 बजे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 86 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। भारतीय उद्योगपतियों मुकेश अंबानी से लेकर एसबीआई चेयरमैन सी. एस. शेट्टी ने उनके निधन को सभी भारतीयों के लिए एक बड़ी और अपूरणीय क्षति बताया है। देश के सबसे अमीर कारोबारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने जारी बयान में कहा, ''यह भारत और भारतीय उद्योग के लिए बेहद दुखद है। रतन टाटा का निधन केवल टाटा समूह के लिए नहीं, बल्कि हर भारतीय के लिए बड़ी क्षति है।'' उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर रतन टाटा के निधन से मुझे बेहद दुख पहुंचा है। मैंने एक प्रिय मित्र खो दिया है। उनके साथ मेरी हर एक मुलाकात ने मुझे प्रेरित किया हैज्रतन टाटा आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगेज।'' आदित्य बिड़ला समूह के प्रमुख कुमार मंगलम बिड़ला ने जारी बयान में कहा है कि रतन टाटा के निधन से भारत और भारतीय उद्योग जगत ने एक दूरदर्शी व्यक्तित्व को खो दिया। उनके फैसलों ने आर्थिक वृद्धि से परे लोगों के जीवन तथा उद्योगों को प्रभावित किया है। पिछले कई दशकों से मेरे परिवार और मेरी कई पीढ़ियों का उनके साथ करीबी संबंध रहा है।

केंद्र ने राज्यों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण किया जारी

नई दिल्ली।

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (हि.स.)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को राज्यों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर राजस्व हस्तांरित किया है। राज्यों को जारी की गई इस राशि में अक्टूबर में देय नियमित किस्त के अलावा 89,086.50 करोड़ रुपये की अग्रिम किस्त भी जारी की गई है।

वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि आगामी त्योहारी सीजन के मद्देनजर सरकार ने राज्य सरकारों को 1,78,173 करोड़ रुपये का कर राजस्व हस्तांतरण जारी किया है। इस राशि में अक्टूबर माह की सामान्य नियमित किस्त 89,086.50 करोड़ रुपये के अलावा अग्रिम किस्त भी शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि राज्यों को यह अग्रिम किस्त पूंजीगत व्यय में तेजी लाने और उनके विकास और कल्याण संबंधी व्यय को वित्तपोषित करने में सक्षम बनाने के लिए जारी की गई है।

सरकार की तरफ से जारी की गई राशि का राज्यवार ब्यौरा

- आंध्र प्रदेश 7,211 करोड़ रुपये
- अरुणाचल प्रदेश 3,131 करोड़ रुपये
- असम 5,573 करोड़ रुपये
- बिहार 17,921 करोड़ रुपये
- छत्तीसगढ़ 6,070 करोड़ रुपये
- गोवा 688 करोड़ रुपये
- गुजरात 6,197 करोड़ रुपये
- हरियाणा 1,947 करोड़ रुपये
- हिमाचल प्रदेश 1,479 करोड़ रुपये
- झारखंड 5,892 करोड़ रुपये
- कर्नाटक 6,498 करोड़ रुपये
- केरल 3,430 करोड़ रुपये
- मध्य प्रदेश 13,987 करोड़ रुपये
- महाराष्ट्र 11,255 करोड़ रुपये
- मणिपुर 1,276 करोड़ रुपये
- मेघालय 1,367 करोड़ रुपये
- मिजोरम 891 करोड़ रुपये
- नागालैंड 1,014 करोड़ रुपये
- ओडिशा 8,068 करोड़ रुपये
- पंजाब 3,220 करोड़ रुपये
- राजस्थान 10,737 करोड़ रुपये
- सिक्किम 691 करोड़ रुपये
- तमिलनाडु 7,268 करोड़ रुपये
- तेलंगाना 3,745 करोड़ रुपये
- त्रिपुरा 1,261 करोड़ रुपये
- उत्तर प्रदेश 31,962 करोड़ रुपये
- उत्तराखंड 1,992 करोड़ रुपये
- पश्चिम बंगाल को 13,404 करोड़ रुपये

देश के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में टॉप पर मुकेश अंबानी, अडाणी दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। भारत के सबसे अमीर उद्योगपतियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी लगातार पहले पायदान पर बने हुए हैं। फोर्ब्स द्वारा जारी देश के 100 सबसे धनी उद्योगपतियों की सूची में दूसरे स्थान पर अडाणी ग्रुप के प्रमुख गौतम अडाणी का नाम है। फोर्ब्स की इस सूची की जो सबसे अहम बात है, वो ये कि देश के सौ सबसे धनी लोगों की संपत्ति पहली बार कुल मिलाकर एक ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गई है। फोर्ब्स की सूची के अनुसार मुकेश अंबानी कमाई के मामले में दुनिया के दूसरे सबसे लाभ बड़े लाभार्थी बने हैं, जिनकी संपत्ति पिछले 1 साल में 27.5 बिलियन डॉलर बढ़कर 119.5 बिलियन डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। हालांकि शेयर बाजार में आए उतार-चढ़ाव की वजह से उनका मौजूदा नेटवर्थ 108.3 बिलियन डॉलर का है। फोर्ब्स का दावा है कि इस नेटवर्थ के साथ मुकेश अंबानी फिलहाल दुनिया के 13 सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। हालांकि एक अन्य एजेंसी ब्लूमबर्ग के बिलियनरीज इंडेक्स ने मुकेश अंबानी को दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में 14वें स्थान पर रखा है। फोर्ब्स के मुताबिक भारत के अमीर उद्योगपतियों की लिस्ट में 116 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ गौतम अडानी परिवार (संयुक्त संपत्ति) दूसरे स्थान पर, 73.7 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ सावित्री जिंदल परिवार तीसरे स्थान पर, 40.2 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ शिव नाडार चौथे स्थान पर और 32.4 डॉलर बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दिलीप सांघवी परिवार पांचवें स्थान पर हैं। इसके अलावा राधाकृष्ण दामानी परिवार, सुनील मित्तल परिवार, कुमार मंगलम बिड़ला, साइरस पूनावाला और बजाज परिवार सबसे अमीर उद्योगपतियों की सूची में टॉप 10 में शामिल हैं। फोर्ब्स की रिपोर्ट में विशेष रूप से बताया कि देश में पहली बार सौ सबसे अमीर लोगों की संपत्ति कुल मिलाकर एक ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गई है। फिलहाल इन सौ लोगों की कुल संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उद्योगपतियों की संपत्ति में आई हुई इस बढ़ोतरी के लिए फोर्ब्स ने शेयर बाजार में आई जोरदार तेजी को प्रमुख वजह बताया है।

देश में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंची, दूरसंचार कंपनियों को हर ग्राहक से 8 फीसदी अधिक कमाई

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में देश में इंटरनेट ग्राहकों की संख्या तिमाही आधार पर 1.59 फीसदी बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंच गई। जनवरी-मार्च तिमाही में देश में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे। कुल 96.96 करोड़ ग्राहकों में 4.20 करोड़ लोग वायर के जरिये इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जबकि वायरलेस इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 92.75 करोड़ पहुंच गई है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से इंडिया टेलीकॉम सर्विसेज परफॉर्मेंस इंडिकेटर रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान मोबाइल सेवाओं के लिए हर ग्राहक से दूरसंचार कंपनियों को होने वाली कमाई सालाना आधार पर 8.11 फीसदी बढ़कर 157.45 रुपये पहुंच गई है। मासिक आधार पर इन कंपनियों का प्रति उपयोगकर्ता औसत मासिक राजस्व (एआरपीयू) जनवरी-मार्च तिमाही के 153.54 रुपये की तुलना में 2.55 फीसदी बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बढ़कर 70,555 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें तिमाही आधार पर 0.13 फीसदी और सालाना आधार पर 7.51 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ब्रॉडबैंड के जरिये इंटरनेट चलाने वालों की संख्या अप्रैल-जून तिमाही में 1.81 फीसदी बढ़कर 94.07 करोड़ पहुंच गई। जनवरी-मार्च तिमाही में इनकी संख्या 92.40 करोड़ थी। हालांकि, नैरोबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 3.03 करोड़ से घटकर 2.88 करोड़ रह गई। देश में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 120.56 करोड़ हो गई। इसमें जनवरी-मार्च की तुलना में 0.53 फीसदी और सालाना आधार पर 2.70 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शहरी इलाकों में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 66.53 करोड़ से बढ़कर 66.71 करोड़ पहुंच गई। ग्रामीण इलाकों में भी यह संख्या 53.85 करोड़ है, जो तिमाही आधार पर अधिक है। देश में वायरलेस ग्राहकों की संख्या 50.4 लाख बढ़कर अप्रैल-जून में 117.05 करोड़ पहुंच गई है। मासिक आधार पर संख्या 0.43 फीसदी और सालाना आधार पर 2.36 फीसदी बढ़ी है।

इस दौरान वायरलाइन ग्राहकों की संख्या मासिक आधार पर 3.90 फीसदी और सालाना आधार पर 15.81 फीसदी बढ़कर 3.51 करोड़ पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक देश में कुल दूरसंचार घनत्व तिमाही आधार पर 85.69 फीसदी से बढ़कर 85.95 फीसदी पहुंच गया। ग्रामीण इलाकों में यह 59.19 फीसदी से बढ़कर 59.65 फीसदी पहुंच गया, जबकि शहरी दूरसंचार घनत्व 133.72 फीसदी से घटकर 133.46 फीसदी रह गया। वायरलेस दूरसंचार घनत्व 83.27 फीसदी से बढ़कर 83.45 फीसदी पहुंच गया है।

अनिल अग्रवाल की वेदांता पर 92 करोड़ का जुर्माना, 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल

मुंबई ।

अनिल अग्रवाल की वेदांता लिमिटेड पर भारी जुर्माना लगाया गया है, जिसमें 92.04 करोड़ रुपये का टैक्स जुर्माना और 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त जुर्माना शामिल है। इसके साथ ही, कंपनी को कस्टम ड्यूटी और उस पर लगने वाले ब्याज का भी भुगतान करना होगा। यह जानकारी कंपनी ने शेयर बाजार को दी। यह जुर्माना तब लगाया गया है जब अनिल अग्रवाल ने हाल ही में सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत की आयरन ओर इंडस्ट्री संकट में है। उनका कहना था कि ऊंचे नीलामी प्रीमियम, सीमित ऑफर और खदानों के धीमे संचालन के कारण यह स्थिति बनी है। सरकार ने उनके आरोपों को भ्रामक और गलत बताया था। जुर्माने की कार्रवाई वेदांता द्वारा आयात से पहले की शर्तों के उल्लंघन के कारण हुई है। ये शर्तें एडवांस ऑथराइजेशन के तहत किए गए आयात पर सीमित समय के लिए लागू थीं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि कंपनी को तूतीकोरिन के कस्टम कमिश्नर के

दफ्तर से एक आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें 92,03,85,745 रुपये का जुर्माना और 10,00,00,000 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही कस्टम ड्यूटी और उस पर लगने वाला ब्याज भी मांगा गया है। वेदांता ने कहा है कि वह इस आदेश की समीक्षा कर रही है और उचित समय पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। कंपनी का मानना है कि उसके पास मजबूत कानूनी आधार हैं, खासकर हालिया न्यायिक फैसलों के संदर्भ में। वेदांता का यह कहना है कि इस आदेश का कंपनी की वित्तीय स्थिति, संचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा।

चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर सख्ती, सेबी ने नियमों का पालन नहीं करने पर 2 लाख का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली।

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने ब्रोकरेज फर्म चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के मुताबिक चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग ने एक्सचेंज को ऑथराइज्ड पर्सन (एपी) से जुड़े क्लाइंट्स की सही जानकारी नहीं दी। बताया गया है कि ब्रोकरेज के ऑथराइज्ड पर्सन और क्लाइंट के बीच तीन मामलों में एपी सर्विसेज के लिए फंड की लेनदेन हुई।

इस दौरान एपी टर्मिनल्स का इस्तेमाल अनऑथराइज्ड लोगों द्वारा किया गया। सेबी के आदेश में जांच के परिणामों की जानकारी देते हुए बताया गया है कि ब्रोकरेज फर्म के ऑथराइज्ड पर्सन्स में से एक ने एक्सचेंज को 226 क्लाइंट्स की जानकारी नहीं दी, जबकि दूसरे ने 118 क्लाइंट्स की और तीसरे ने 7 क्लाइंट्स की जानकारी एक्सचेंज को उपलब्ध नहीं कराई। सेबी की जांच में इस बात का भी पता चला कि ब्रोकरेज फर्म के ऑथराइज्ड पर्सन्स में से एक ग्रो कैपिटल फाइनेंस सर्विसेज अपने क्लाइंट को फंड ट्रांसफर कर रहा था।

हालांकि ब्रोकरेज फर्म की ओर से सफाई दी गई कि फंड ट्रांसफर का ये काम ऑथराइज्ड पर्सन ने पर्सनल कैपेसिटी में क्लाइंट के साथ किया था, जिसके लिए ब्रोकरेज फर्म को जिम्मेदार नहीं माना जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि सेबी के नियमों के तहत ऑथराइज्ड पर्सन को क्लाइंट के फंड और सिक्योरिटीज की किसी भी पेमेंट या डिलीवरी को स्वीकार करने से रोका गया है। इस नियम में कहा गया है कि ऑथराइज्ड पर्सन क्लाइंट से कोई भी फंड या सिक्योरिटीज कलेक्ट नहीं करेगा और एजेंट के रूप में मेंबर की ओर से दी गई सर्विसेज के लिए क्लाइंट से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कोई भुगतान या राशि नहीं लेगा। सेबी ने अपनी जांच में इसी नियम के उल्लंघन के कारण चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर दंडात्मक कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का माहौल

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान रिकार्ड तेजी दर्ज की गई। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स सपाट स्तर पर मामूली मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का जोर बना रहा। एशियाई बाजार में भी आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण डाउ जॉन्स और एसएंडपी 500 इंडेक्स नई ऊंचाई पर पहुंच कर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,792.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 108.70 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,291.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 42,511.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,243.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह

सीएसी इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,560.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 188.46 अंक यानी 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,254.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान के स्टॉक मार्केट में छुट्टी होने की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। एशिया के जिन 2 बाजारों में कमजोरी बनी हुई है, उनमें से स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 3,595.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 7,499.34 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,170 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,606.26 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 836.04 अंक यानी 4.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,473.28 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 96.15 अंक यानी 2.87 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,355.01 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,461.13 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,356.99 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अमेरिकी दृष्टिकोण से भारत महत्वपूर्ण राजनीतिक भूमिका निभाता है: यूएसआईएसपीएफ

वाशिंगटन । अमेरिकी दृष्टिकोण से भारत महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक भूमिका निभाता है और अमेरिकी कंपनियों को विनिर्माण क्षेत्र में चीन से उत्पन्न खतरे को कम करने का अवसर देता है। अमेरिका-भारत सामरिक एवं साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि की गाथा बेहद शानदार है। भारत उन बहुत कम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से है जो सात से आठ प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी दृष्टिकोण से भारत भू-राजनीतिक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिकारी ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जो बाजार में अवसर प्रदान कर रही है। खासकर अमेरिकी कंपनियों को जो यहां आकर निवेश करती हैं और बाजार में हिस्सेदारी हासिल करती हैं। यह एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जो विनिर्माण क्षेत्र में चीन से खुद को जोखिम मुक्त कर रही है। उन्होंने ककि कि हम देख रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था सिर्फ बाजार के लिए अवसर नहीं बन रही है, बल्कि यह विनिर्माण के लिए अवसर बन रही है लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हम भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों की वृद्धि देख रहे हैं।

बांग्लादेश पर टी-20 मैच जीत के बाद नीतीश कुमार ने कहा-ऐसा प्रदर्शन दोहराना चाहता हूं

नई दिल्ली।
बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी 20 में मैच जीताउ प्रदर्शन के बाद, भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की सराहना की, जिन्होंने उन्हें स्वतंत्रता और निडरता के साथ खेलने दिया।

अपने दूसरे ही टी20 मैच में नीतीश ने 74 रनों की धमाकेदार पारी खेली और दो विकेट चटकाए। इससे भारत ने बुधवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में बांग्लादेश पर 86 रनों की बड़ी जीत दर्ज की। मैच के बाद नीतीश ने कहा कि शुरुआत में उन्होंने समय लिया, लेकिन महमदुल्लाह की नो बॉल के बाद सब कुछ उनके पक्ष में हो गया। उन्होंने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना शानदार लगता है, इस पल पर बहुत गर्व है। हर चीज के लिए आभारी हूं। मुझे कप्तान और कोच को श्रेय देना चाहिए। उन्होंने मुझे निडर क्रिकेट खेलने की छूट दी। मैंने शुरुआत में समय लिया, लेकिन उस नो बॉल के बाद सब कुछ मेरे पक्ष में हो गया। भारतीय टीम के लिए खेलना शानदार लगता है। मैं इसी तरह खेलना चाहता हूं। ऐसे अच्छे प्रदर्शन दोहराना चाहता हूं।

मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर अरुण जेटली स्टेडियम में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। एक समय भारत केवल 41 रन पर 3 विकेट खोकर संघर्ष कर रहा था, लेकिन नीतीश (34 गेंदों में 74) और रिंकू सिंह (29 गेंदों में पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 53 रन) ने 108 रनों की मैच बचाने वाली साझेदारी की। हार्दिक पांड्या (19 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 32 रन) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 20 ओवरों में 221/9 तक पहुंचाया। रिशाद हुसैन (3/55) और तस्कीन अहमद (2/16) बांग्लादेश के शीर्ष गेंदबाज थे।

222 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने शुरुआत में रन-रेट बनाए रखा, लेकिन लगातार विकेट खोते रहे। महमदुल्लाह (39 गेंदों में 41 रन, तीन छक्के) को छोड़कर कोई भी अच्छी पारी नहीं खेल सका और बांग्लादेश ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 135 रन बनाए। भारत ने 86 रन से जीत दर्ज की। वरुण चक्रवर्ती (2/19) और नीतीश (2/23) भारत के शीर्ष गेंदबाजों में शामिल थे। अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर और रियान पराग को एक-एक विकेट मिला।

न्यूज ब्रीफ

शाकिब ने विरोध प्रदर्शन के दौरान चुप्पी के लिए मांगी माफी, विदाई टेस्ट के दौरान प्रशसंकों से की समर्थन की अपील

नई दिल्ली। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन ने बुधवार को अपना राजनीतिक रुख स्पष्ट कर दिया, जिससे उनके लिए बांग्लादेश में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विदाई टेस्ट खेलने का रास्ता साफ हो गया, जैसा कि उन्होंने उम्मीद की थी। इससे पहले, युवा और खेल सलाहकार, आसिफ महमूद शोजिब भुयान ने जोर देकर कहा था कि शाकिब को सुरक्षा मांगने से पहले अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी। शाकिब पर पिछले महीने एक हत्या के मामले में शामिल होने का भी आरोप लगाया गया था। शेख हसीना के शासन के पतन के दो महीने बाद, उन्होंने आखिरकार छात्र आंदोलन पर अपने रुख पर चुप्पी तोड़ी। पूर्व सांसद ने उस दौरान चुप रहने के लिए माफी मांगी और इस महीने के अंत में अपने घर में होने वाले अपने अंतिम टेस्ट मैच में लोगों से समर्थन मांगा। शाकिब ने बुधवार को अपने आधिकारिक फेसबुक पोस्ट में लिखा, सबसे पहले, मैं उन सभी छात्रों को सम्मानपूर्वक याद करता हूँ जिन्होंने भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन का नेतृत्व करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया या घायल हुए। मैं उनके और उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी श्रद्धांजलि और संवेदना व्यक्त करता हूँ। हालाँकि कोई भी बलिदान कभी भी प्रियजनों के नुकसान की पूरी तरह से भरपाई नहीं कर सकता है, लेकिन एक बच्चे या भाई को खोने का दर्द अपूर्णीय है। आप में से जो लोग इस महत्वपूर्ण समय के दौरान मेरी चुप्पी से आहत या निराश महसूस करते हैं, मैं उनकी भावनाओं को स्वीकार करते हुए ईमानदारी से माफ़ी माँगता हूँ। अगर मैं आपकी स्थिति में होता, तो शायद मैं भी ऐसा ही महसूस करता। शाकिब ने अपने प्रशंसकों से आग्रह किया कि जब वह सफेद कपड़ों में अंतिम बार मैदान पर उतरेंगे तो वे उनके साथ खड़े रहें।

चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल लाहौर से स्थानांतरित होने की रिपोर्ट गलत : पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल किसी भी हाल में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। पीसीबी ने कहा कि फाइनल तय कार्यक्रम के अनुसार लाहौर में ही होगा। वहीं गत दिवस आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारतीय टीम के कारण फाइनल यूएई में खेला जाएगा। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि अगर भारत फाइनल के लिए क्वालीफाई करता है, तो दोनों देशों के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव के कारण मुकाबले को दुबई में रखा जा सकता है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि फाइनल के अलावा, सेमीफाइनल को भी स्थानांतरित किया जा सकता है। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से जुलाई 2008 के बाद से ही पाक का दौरा नहीं किया है। दोनो ही देशों के बीच राजनीतिक संबंध भी तनावपूर्ण हैं। ऐसे में सरकार टीम को पाक भेजने का खतरा मौल नहीं ले सकती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भारतीय बोर्ड अपने मैच स्थानांतरित करने को कह सकता है। वहीं पीसीबी का मानना है कि ऐसा नहीं होगा। पाक बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी की पूरी मेजबानी अपने यहां करने की पुष्टि करते हुए कहा, दोनो सरकारों के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव के बावजूद, पीसीबी एक सफल और निर्बाध टूर्नामेंट सुनिश्चित करने के अपने रुख पर कायम है।

एचआईएल से नई प्रतिभाएं सामने आयेंगी : सलिमा टेटे

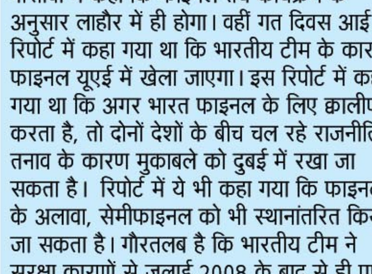

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने एक बार फिर से हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की शुरुआत पर खुशी जतायी है। सलीमा ने कहा कि इस लीग से युवा खिलाड़ियों को तराशने में सहायता मिलेगी। इससे टीम के पास बैकअप के तौर पर कई अच्छी खिलाड़ी उपलब्ध होंगी। इस साल के अंत में शुरू होने वाली इस बहुप्रतीक्षित लीग की सात साल बाद वापसी हो रही है। हॉकी इंडिया ने एचआईएल में महिलाओं की अलग स्पर्धा पहली बार आयोजित करना तय किया है। ये पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी। यह लीग 28 दिसंबर से एक फरवरी तक दो आयोजन स्थलों रांची और राउरकेला में खेली जाएगी। पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ तो महिलाओं की प्रतियोगिता में छह टीमें भाग लेंगी। सलीमा ने कहा, 'मैं एचआईएल की शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हूं, यह सात साल बाद दोबारा शुरू हो रहा है और इस बार इसमें महिला लीग भी है। पूरी टीम पिछले कुछ दिनों से इस बात पर बात कर रही थी। इसमें हमें अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों से मिलने, उनके साथ खेलने का अवसर मिलेगा। इससे हम अपने प्रदर्शन में सुधार ला सकेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, 'इससे युवा खिलाड़ियों को खेल को बेहतर समझने का मौका मिलेगा। करियर की शुरुआत में ही दबाव वाले पेशेवर माहौल में खेलने से उन्हें बेहतर अनुभव मिलेगा।

महिला टी20 विश्वकप

श्रीलंका को हराकर भारत ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत

अरुंधति-शोभना को 3-3 विकेट मिले

नई दिल्ली।
महिला टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम ने अपने तीसरे मैच में श्रीलंका पर जीत हासिल की है। ग्रुप-ए के इस मुकाबले में मिली 82 रन की इस बड़ी जीत के साथ भारतीय टीम ने सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। आज की इस दमदार प्रदर्शन से टीम के नेट रनरेट में भी काफी सुधार हुआ है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 172 रन बनाए थे, जिसके जवाब में श्रीलंका 90 रन ही बना सकी।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर के अर्धशतक की बदौलत 172 रन बनाए। मंधाना ने 38 गेंदों में 4 चौकों और 1 छक्के की मदद से 50 रन की पारी खेली। हरमनप्रीत ने 27 गेंदों में 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 52 रन बनाए। वहीं शेफाली वर्मा 43, जेमिमा रॉड्रिग्स 16 और रिचा घोष ने 6 रन बनाए। श्रीलंका के लिए चमाली आटापट्टू और अमा कंचना ही एक-एक विकेट ले सके। 173 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ओवर में ही बिना खाता खोले विश्मी गुनारत्ने पवेलियन लौट गई। इसके बाद कप्तान चमारी आटापट्टू (एक रन) और हर्शिता समरविक्रमा (3 रन) भी जल्दी ही आउट हो गए। 6 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद कविशा दिलहारी (21 रन) और अनुष्का संजीवनी (20 रन) ने टीम को आधार देने की कोशिश की और चौथे विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी की। इनके बाद सिर्फ अमा कंचना ही 19 रन बना सकीं। बाकी कोई बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सका। भारत की तरफ से अरुंधती रेड्डी और आशा शोभना ने 3-3 विकेट झटके, जबकि रेणुका सिंह ने 2 और श्रेयंका पाटिल व दीप्ती शर्मा ने 1-1 विकेट लिया। भारतीय टीम ग्रुप स्टेज का अपना आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी ।जहां सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को हर हाल जीत हासिल करनी होगी।

दिल्ली में भारत ने बांग्लादेश को 86 रन से हराया, टी20 सीरीज में ली 2-0 की अजेय बढ़त

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को दूसरे टी20 मुकाबले में 86 रनों के बढ़े अंतर से हरा दिया है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 221 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 135 रन ही बना सकी। इसी के साथ भारतीय टीम 3 मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का अंतिम मुकाबला 12 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा। 222 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले दो ओवर में 20 रन बनाने के बाद तीसरे ओवर में पहला विकेट गवां दिया। सलामी बल्लेबाज परवेज हुसैन एमोन को तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने बोल्ड कर दिया। एमोन ने 12 गेंदों पर 16 रन बनाए। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को वाशिंगटन सुंदर ने पवेलियन भेजकर बांग्लादेश को दूसरा झटका दिया। शांतो सात गेंदों पर केवल 11 रन बना पाए। इसके बाद स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर लिटन दास भी आउट हो गए। लिटन ने 11 गेंदों पर 14 रन बनाए। बांग्लादेश का चौथा विकेट तौहीद ह्रदोय के रूप में गिरा। ह्रदोय मात्र दो रन बनाकर आउट हुए। 80 रन के स्कोर पर मेहदी हसन मिराज को रियान पराग ने चलता किया। मिराज 16 गेंदों पर 16 रन बनाकर आउट हुए। तेज गेंदबाज मयंक यादव ने जाकिर अली को आउट कर बांग्लादेश को छठा झटका दिया। जाकिर एक रन बनाकर आउट हुए। वरुण चक्रवर्ती ने रिशाद हुसैन को आउट किया। रिशाद 10 गेंदों पर नौ रन बनाकर आउट हुए। अंत नीतीश रेड्डी ने पहले तंजिम हसन साकिब और फिर महमूदुल्लाह को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इस तरह बांग्लादेश 9 विकेट पर 135 रन ही बना सकी। साकिब ने 10 गेंदों पर 8 रन, महमूदुल्लाह ने 39 गेंदों पर 41 रन बनाए। भारतयी टीम की ओर से नीतीश रेड्डी, वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिए। अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर, अभिषेक शर्मा, मयंक यादव और रियान पराग ने एक-एक विकेट लिए। इसेस पहले बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया।

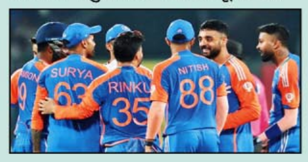

हैरी ब्रूक ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किये 3,000 रन

नई दिल्ली।
इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने क्रिकेट करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 3,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं। 78 अंतरराष्ट्रीय मैचों और 83 पारियों में, ब्रूक ने 44.64 की शानदार औसत से 3,125 रन बनाए हैं। उनके रिकॉर्ड में सात शतक और 17 अर्द्धशतक शामिल हैं, जो सभी प्रारूपों में उनकी निरंतरता और कौशल को उजागर करते हैं।

टेस्ट क्रिकेट में, ब्रूक ने 19 मैच खेले हैं, जिसमें 58.58 की असाधारण औसत से 1,699 रन बनाए हैं। उन्होंने 31 पारियों में छह शतक और नौ अर्द्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 186 रन रहा है।

वनडे में भी उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है, उन्होंने 20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 39.94 की औसत से 719 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर नाबाद 110 रन है। ब्रुक का टी20आई में भी प्रदर्शन उल्लेखनीय है; उन्होंने 39 मैचों में भाग लिया है, जिसमें उन्होंने 30.73 की औसत और 146 से अधिक की शानदार स्ट्राइक रेट से 707 रन बनाए हैं। उन्होंने तीन अर्द्धशतक दर्ज किए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 81* रहा है।

उल्लेखनीय रूप से, ब्रूक भारत के मोहिंदर अमरनाथ और श्रीलंका के अरविंद डी सिल्वा के साथ पाकिस्तान में विदेशी खिलाड़ी के रूप में सबसे अधिक संयुक्त शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, उन्होंने देश में केवल छह पारियों में अपना चौथा शतक लगाकर यह उपलब्धि हासिल की है।

पाकिस्तान में खेले गए अपने चार मैचों और छह पारियों में, ब्रूक ने 121.80 के असाधारण औसत से 609 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और एक अर्धशतक शामिल है, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 153 रहा है। ब्रूक ने पाकिस्तानी धरती पर लगातार चार टेस्ट मैचों में शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज के रूप में इतिहास रच दिया है।

इंग्लैंड वर्तमान में मुल्तान में पाकिस्तान से खेल रहा है, जहाँ इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त किया। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20,000 रन के आंकड़े तक पहुँचने वाले अपने देश के पहले खिलाड़ी बनने से केवल सात रन दूर हैं। दिन का खेल खत्म होने तक रूट 277 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 176* रन बनाकर नाबाद थे। उनके रन 63 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से आए। रूट के साथ ब्रूक 141 रन बनाकर नाबाद हैं।

इंग्लैंड ने एक ही दिन में 396 रन बनाकर पाक पर शिकंजा कसा

मुल्तान। इंग्लैंड ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए एक ही दिन में 396 रन बना डाले। इससे पहले पाक टीम ने अपनी पहली पारी में 556 रन बनाये थे। इंग्लैंड की टीम ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए पाक गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। अब मुल्तान टेस्ट में बाजी पलट गयी है और पाकिस्तान पर 550 रन से ज्यादा बनाकर भी हार का खतरा मंडरा रहा है।

आईसीसी चैलेंज लीग बी : सिंगापुर के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगा मेजबान युगांडा

कंपाला।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चैलेंज लीग बी का आयोजन 4 से 16 नवंबर तक कंपाला और एंटेबे में होगा। मेजबान युगांडा अपना अभियान सिंगापुर के खिलाफ शुरू करेगा।

आईसीसी द्वारा जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार, युगांडा 6 नवंबर को सिंगापुर का सामना करेगा और तीन दिन बाद तंजानिया के खिलाफ खेलेगा। इस टूर्नामेंट में युगांडा 10 नवंबर को हांगकांग, चीन, 13 नवंबर को इटली और 16 नवंबर को बहरीन के खिलाफ मैच के साथ अपना अभियान समाप्त करेगा।

चैलेंज लीग बी 2027 एकदिनी क्रिकेट विश्व कप के लिए योग्यता मार्ग के रूप में कार्य करता है, जिसकी मेजबानी जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया करेंगे।

स्थानीय आयोजन समिति के अध्यक्ष फ्रेड लुटाया ने बुधवार को सिन्हुआ को बताया कि युगांडा एक बार फिर एक हाई-प्रोफाइल टूर्नामेंट की मेजबानी करने के लिए उत्साहित है जो विश्व कप के लिए योग्यता प्रक्रिया का हिस्सा है। लुटाया ने कहा, हमें विश्वास है कि आईसीसी आयोजनों की मेजबानी करने के हमारे अनुभव के कारण, हम एक सफल टूर्नामेंट का आयोजन करेंगे।

युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन (यूसीए) में संचार और विपणन प्रमुख डेनिस मुसाली ने कहा कि राष्ट्रीय टीम कई अंतरराष्ट्रीय मैत्रीपूर्ण मैचों के साथ अपनी तैयारी जारी रखे हुए है। टीम ने पिछले महीने पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ चार अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और आगे के प्रशिक्षण और विभिन्न दक्षिण अफ्रीकी टीमों के खिलाफ मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की।

भारतीय टीम सभी परिस्थितियों में अच्छी बल्लेबाजी करती है : तस्कीन अहमद

नई दिल्ली।
बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने बुधवार को भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मिली हार के बाद भारतीय टीम के दृष्टिकोण और निष्पादन की प्रशंसा की। बुधवार को दिल्ली में खेले गए दूसरे टी20 मैच में भारत ने बांग्लादेश को 86 रनों से हरा दिया।

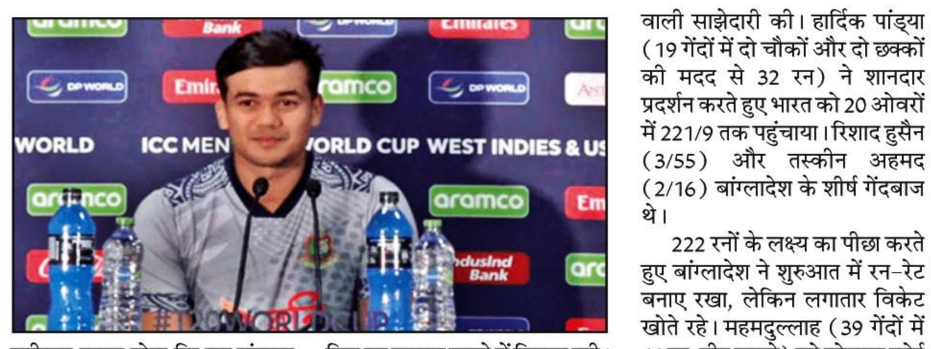

तस्कीन ने भारत के प्रदर्शन की तारीफ की

पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में तस्कीन ने कहा, भारत ने वाकई बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। वे ऐसा सिर्फ भारतीय परिस्थितियों में ही नहीं बल्कि सभी परिस्थितियों में करते हैं। उन्होंने अंत तक अच्छी बल्लेबाजी की। तस्कीन ने विभिन्न परिस्थितियों में भारत की अनुकूलन क्षमता और लगातार प्रदर्शन की तारीफ की।

बांग्लादेश के प्रमुख ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के बारे में बात करते हुए तस्कीन ने कहा, शाकिब हमेशा हमारे लिए महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन हमें इस वास्तविकता को स्वीकार करना होगा कि वह संन्यास लेने जा रहे हैं। वह हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं।

अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद हम खरे नहीं उतरे

तस्कीन ने बांग्लादेश के बल्लेबाजी प्रदर्शन का खुलकर आकलन करते हुए कहा, विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन हमने अपनी क्षमता के अनुसार अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और पिच का फायदा उठाने में विफल रही। अपने प्रदर्शन पर तस्कीन ने कहा, मैंने बस अपनी योजना को क्रियान्वित करने का प्रयास किया। मैं पहले गेम की तुलना में अधिक स्पष्ट था।

इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर अरुण जेटली स्टेडियम में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। एक समय भारत केवल 41 रन पर 3 विकेट खोकर संघर्ष कर रहा था, लेकिन नीतीश (34 गेंदों में 74) और रिंकू सिंह (29 गेंदों में पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 53 रन) ने 108 रनों की मैच बचाने वाली साझेदारी की। हार्दिक पांड्या (19 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 32 रन) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 20 ओवरों में 221/9 तक पहुंचाया। रिशाद हुसैन (3/55) और तस्कीन अहमद (2/16) बांग्लादेश के शीर्ष गेंदबाज थे।

222 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने शुरुआत में रन-रेट बनाए रखा, लेकिन लगातार विकेट खोते रहे। महमदुल्लाह (39 गेंदों में 41 रन, तीन छक्के) को छोड़कर कोई भी अच्छी पारी नहीं खेल सका और बांग्लादेश ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 135 रन बनाए। भारत ने 86 रन से जीत दर्ज की। वरुण चक्रवर्ती (2/19) और नीतीश (2/23) भारत के शीर्ष गेंदबाजों में शामिल थे। अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर और रियान पराग को एक-एक विकेट मिला। भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला 2-0 से जीत ली है। नीतीश ने अपने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

खेल जगत ने दी रतन टाटा को श्रद्धांजलि, बोले देश ने एक महान रत्न खो दिया

नई दिल्ली।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) समेत खेल जगत के दिग्गज खिलाड़ियों ने टाटा समूह के मानद चेयरमैन और प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

बोर्ड ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि बीसीसीआई रतन टाटा जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है। विभिन्न क्षेत्रों में उनके अमूल्य योगदान ने भारत के विकास और सफलता की कहानी को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जुनून, सहानुभूति, दूरदर्शी नेतृत्व, नवाचार और उत्कृष्टता के सिद्धांतों पर आधारित उनकी असाधारण विरासत आने वाले वर्षों में भावी पीढ़ियों को प्रेरित और मार्गदर्शन करती रहेगी।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने लिखा कि रतन टाटा जी के निधन से बहुत दुख हुआ। उनके नेतृत्व, ईमानदारी और समाज के प्रति समर्पण ने विरासत के लिए एक उल्लेखनीय मानक स्थापित किया। उनके प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। आत्मा को शांति मिले।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फोटो स्टोरी के माध्यम से पोस्ट करते हुए लिखा कि आप हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे सर। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने रतन टाटा के निधन पर एक्स पर लिखा कि एक ऐसे व्यक्ति जिसका दिल सोने जैसा था। सर, आपको हमेशा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा, जिसने वास्तव में दूसरों की परवाह की और अपना जीवन दूसरों की बेहतरी के लिए जिया।

वहीं सूर्यकुमार यादव ने कहा, दयालुता का प्रतीक, सबसे प्रेरणादायक, एक आदमी का चमत्कार। सर, आपने बहुत सारे दिलों को छू लिया है। आपका जीवन राष्ट्र के लिए वरदान रहा है। आपकी अंतहीन और बिना शर्त सेवा के लिए धन्यवाद। आपकी विरासत जीवित रहेगी। इसके अलावा कई अन्य क्रिकेटरों और क्रिकेट जगत से जुड़े लोगों ने भी रतन टाटा को याद किया है।

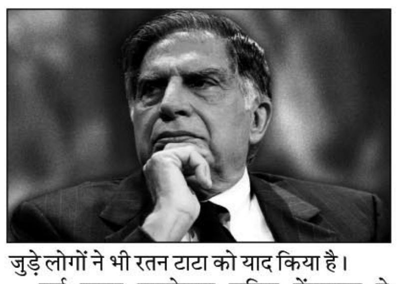

पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया एक्स पर रतन टाटा के साथ एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि मुझे उनके साथ समय बिताने का सौभाग्य मिला, लेकिन लाखों लोग, जो उनसे कभी नहीं मिले, वे भी वही दुख महसूस कर रहे हैं जो मैं आज महसूस कर रहा हूं। उनका प्रभाव ऐसा ही है। जानवरों के प्रति अपने प्रेम से लेकर परोपकार तक, उन्होंने दिखाया कि सच्ची प्रगति तभी प्राप्त की जा सकती है जब हम उन लोगों की देखभाल करें जिनके पास खुद की देखभाल करने के लिए साधन नहीं हैं। आपकी विरासत आपके द्वारा बनाए गए संस्थानों और आपके द्वारा अपनाए गए मूल्यों के माध्यम से हमेशा जीवित रहेगी।

पूर्व दिग्गज खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, हमने भारत के एक सच्चे रतन श्री रतन टाटा जी को खो दिया है। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा और वे हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे। ओम शांति। उधर पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, भारत ने आज एक सच्चे आइकन को खो दिया। रतन टाटा सर के दूरदर्शी नेतृत्व, उनकी करुणा और परोपकार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश और दुनिया पर एक अलग छाप छोड़ी है। उनकी विरासत हम सभी को प्रेरणा देती रहेगी। ओम शांति।

वहीं हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, सतनाम वाहेगुरु, रतन टाटा जी आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक के रूप में हमेशा हमारे दिलों में बने रहेंगे। उनके नेतृत्व, विनम्रता और नैतिकता और मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने एक ऐसा मानदंड स्थापित किया जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उनकी विरासत को हमेशा याद किया जाएगा, न केवल उनके द्वारा बनाई गई कंपनियों के लिए, बल्कि उन अनगिनत जिंदगियों के लिए भी, जिन्हें उन्होंने अपनी करुणा और उदारता से छुआ। ईश्वर उनकी आत्म को शांति दे।

भारत के लिए ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने भी रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। नीरज ने एक्स पर लिखा कि रतन टाटा जी के निधन के बारे में सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। वे एक दूरदर्शी व्यक्ति थे और मैं उनके साथ हुई बातचीत को कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने पूरे देश को प्रेरित किया। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनके प्रियजनों को शक्ति मिले। ओम शांति।

इन डिशेज के बिना अधूरा है दुर्गा पूजा का आनंद

नवरात्र का त्योहार पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 3 अक्तूबर से हो चुकी है। खासकर बंगाल में ये त्योहार खूब जोर-शोर से मनाते हैं। दुर्गा पूजा बंगाल का सबसे प्रमुख त्योहार है, जिसे खूब जोर-शोर से मनाया जाता है। इस दौरान मां दुर्गा की पूजा के लिए गली-गली में पंडाल लगाए जाते हैं, जहां नौं दिनों तक लोग नाच-गाने से लेकर पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद भी लेते हैं। दुर्गा पूजा का असली आनंद लेने के लिए आपको एक बार कलकत्ता जरूर जाना चाहिए। यहां दुर्गा पूजा की अलग ही रौनक देखने को मिलती है। खट्टे मीठे, तीखे और पारंपरिक मिठाइयों का स्वाद लेने के लिए कई राज्यों और विदेशों से लोग नवरात्र के दौरान कोलकाता आते हैं। ऐसे में यदि आप भी नवरात्र में कोलकाता जाने का प्लान बना रहे हैं, तो पूजा पंडालों में आपको कुछ खास डिशेज का मजा जरूर लेना चाहिए। आइए जानें कौन-कौन सी हैं वो डिशेज।

खिचड़ी : नवरात्र में बंगाल में पूजो पंडाल में खिचड़ी भी खाई जाती है। दाल, चावल और सब्जियां डालकर पकाई गई खिचड़ी पौष्टिक होने के साथ-साथ पेट के लिए लाइट भी होती है। दुर्गा पूजा पर भोग की तरह भी भोगेर खिचुरी भी बनाया जाता है।

तेलभाजा (पकौड़े) : तेलभाजा को हम पकौड़े के नाम से जानते हैं। बंगाल में खासकर के बैंगन, आलू या दाल के पकौड़े पूजो पंडाल में बनाएं और खिलाएं जाते हैं। आप भी नवरात्र में शाम के समय गरमा गरम पकौड़ों का मजा लें सकते हैं। कई पंडालों में आपको इसके स्टॉल्स मिल जाएंगे।

रसगुल्ला या संदेश : बंगाल का रसगुल्ला को पूरे देश में मशहूर हैं। ये रसीले और मुलायम रसगुल्ले आपके मुंह में बड़ा ही अनोखा स्वाद खोल देंगे। खासकर नवरात्र के नौं दिन पूजो पंडाल में आप मिठाइयों में रसगुल्ला, संदेश जैसे मिठाइयों का मजा लें सकते हैं। इनका स्वाद काफी अलग और टेस्टी होता है।

माछेर झोल (मछली की करी) : खासतौर पर नवरात्र में पूजो पंडाल में माछेर झोल लोग खूब शौक से खाते हैं। माछेर झोल मछली की करी होती है, जो कई मसालों के साथ पकाई जाती है। इसे चावल के साथ लोग खाना पसंद करते हैं। अगर आप भी मछली खाने के शौकीन हैं, तो आपको इसे जरूर ट्राई करना चाहिए।

सिंघाड़े की कचौरी : नवरात्र में बंगाल के पूजा पंडालों में सिंघाड़े की कचौड़ी भी खूब खाई जाती है। सिंघाड़े की कचौड़ी काफी टेस्टी लगती है और इसे हरी चटनी के साथ सर्व किया जाता है। सिंघाड़ों को उपवास के दौरान भी खाया जा सकता है। इसलिए इसे एक बार तो जरूर चखें।

हमें स्टार किड की तरह नहीं मिलते 2-3 मौके : राधिका मदान

नई दिल्ली। विक्की कौशल संग फिल्म शिद्दत में नजर आई अभिनेत्री राधिका मदान अब एक जाना पहचाना नाम बन चुकी हैं। अभिनेत्री ने सीरियल *मेरी आशिकी तुम से ही* के साथ अपना टेलीविजन करियर शुरू किया था। साल 2018 में पटाखा के साथ उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद इमरान खान के साथ अंग्रेजी मीडियम में नजर आईं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में नेपोटिज्म पर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि बॉलीवुड में परिवारवाद है और कनेक्शन होने की वजह से आपको फिल्में आसानी से मिल जाती हैं। राधिका को अब इस इंडस्ट्री में काम करते हुए छह साल से भी ज्यादा समय हो गया है। अब एक्ट्रेस ने एक बाहरी होने के नाते अपने चैलेंजेस पर बात की। शुभंकर मिश्रा के यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में राधिका ने नेपोटिज्म पर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि स्टार किड्स को अपनी गलतियों से सीखने का बहुत समय मिलता है। वो अगर एक फिल्म में अच्छा परफॉर्म नहीं करेंगे तो भी उनके पास ऑफर आएंगे लेकिन बाहरी लोगों के साथ ऐसा नहीं है। उन्हें सीखने के लिए 2-3 फिल्में और मिल जाती हैं कि अरे अभी सीख जाएगा, अरे देखो सुधार है,अरे तीसरी फिल्म में अच्छा कर लेगा। लेकिन बाहरी के साथ ऐसा है कि हमने तुम्हें अवसर दिया, आप अच्छा नहीं कर पाए और आप बाहर। राधिका ने बताया कि एक बाहरी होने के नाते अगर इंडस्ट्री में आपका कोई गॉडफादर नहीं है तो आपको अपने बारे में साफ पता होता है। उन्होंने कहा, मेरी एक गलती होगी तो मेरे को तो निकाल देंगे। मेरे को नहीं मिलने वाले 2-3 मौके एक्टिंग सीखने के लिए। अंग्रेजी मीडियम में दिवंगत अभिनेता इरफान खान के साथ काम करने के अलावा उन्होंने मोनिका, ओ माई डार्लिंग, कुत्ते, सास, बहू और फ्लेमिंगो और सरफिरा जैसी फिल्मों में भी काम किया है। इससे पहले एक इंटरव्यू में राधिका ने खुलासा किया था कि वह करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के लिए ऑडिशन देने गई थीं, लेकिन सिलेक्ट नहीं हो पाई थीं क्योंकि इससे पहले वो बुरी तरह बीमार पड़ गई थी। इस वजह से उनका ऑडिशन बहुत गंदा हुआ।

रतन टाटा के निधन पर बॉलीवुड कलाकारों ने जताया शोक

उद्योगपति रतन टाटा का निधन हो गया। उनके निधन के बाद बॉलीवुड कलाकारों ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी संवेदनाएं जाहिर की हैं। अभिनेता सलमान खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, रतन टाटा का निधन बेहद दुखद है। अभिनेता संजय दत्त ने रतन टाटा की फोटो शेयर करते हुए लिखा कि भारत ने आज एक सच्चा दूरदर्शी खो दिया है। वे सत्यनिष्ठा और करुणा के प्रतीक थे, जिनका योगदान व्यवसाय से कहीं आगे था। इसका असर अनगिनत जिंदगियों पर पड़ा। उसकी आत्मा को शांति मिले। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने शोक व्यक्त किया है। प्रियंका ने रतन टाटा की फोटो शेयर करते हुए लिखा कि आपने अपने दयालु स्वभाव से लाखों जिंदगियों को प्रभावित किया। आपके नेतृत्व और उदारता की विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। आपने हमारे देश के लिए जो किया है उसके लिए धन्यवाद। आप हमारे लिए प्रेरणा हैं और आपकी बहुत याद आएगी सर। मशहूर डायरेक्टर रोहित शेट्टी, वाणी कपूर, राणा दग्गुबाती, आयुष्मान खुराना, पुलकित सम्राट, शरवरी जोशी, भूमि पेडनेकर, अथिया शेट्टी, अनुष्का शर्मा, तारा सुतारिया, वरुण धवन, बोमन ईरानी ने भी सोशल मीडिया पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। अजय देवगन ने लिखा कि दुनिया एक दूरदर्शी व्यक्ति के निधन पर शोक मना रही है। रतन टाटा की विरासत हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। भारत और उसके बाहर उनका योगदान अतुलनीय है। हम उनके बहुत आभारी हैं। बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख ने लिखा कि ऐसा इंसान दोबारा नहीं होगा। यह जानकर बहुत दुख हुआ कि रतन टाटा जी अब नहीं रहे। परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदनाएं। रेस्ट इन पीस सर।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**